NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

लखनऊ से प्रकाशित

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्षः 14 अंकः 24 लखनऊ, बुधवार 04 सितंबर 2024 मूल्यः 02 रूपये पृष्ठ- 08

भारत की सेना दुनिया की अद्वितीय सेना– मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने लखनऊ में सशस्त्र सैन्य समारोह का शुभारम्भ किया

थल सेना, वायु सेना और नौसेना के एकजुट होकर कार्य करने के परिणामस्वरूप भारत की सीमाएं सुरक्षित,

laoknnkrkA

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सेना दुनिया की अद्वितीय सेना है। भारतीय सेना ने सदैव अपनी ताकत, अनुशासन व तकनीकी क्षमता का लोहा न केवल दुश्मनों को मनवाया, बल्कि देश में सम–विषम परिस्थितियों में सकारात्मक भूमिका के साथ कार्य करते हुए सदैव उत्कृष्ट प्रदर्शन व सहयोग प्रदान किया है।मुख्यमंत्री आज यहां सूर्या खेल परिसर में सशस्त्र सैन्य समारोह

का शुभारम्भ करने के पश्चात मुख्य अतिथि के तौर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने जगुआर और माइक्रो लाइट एयर शो, भारतीय वायु सेना ड्रिल प्रदर्शन, भारतीय नौसेना ब्रास बैण्ड प्रदर्शन, ट्राइसर्विस शस्त्र प्रदर्शन, युद्ध प्रदर्शन, घुड़सवारी प्रदर्शन, आर्मी डॉग शो तथा आधुनिकतम सैन्य उपकरणों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इस फेस्टिवल के आयोजन के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति आभार प्रकट किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस शानदार आयोजन में सशक्त व आत्मनिर्भर हो रहे भारतीय सशस्त्र बलों के प्रदर्शन से अत्यन्त गौरव की अनुभूति हो रही है। यह आयोजन हमारे सशस्त्र बलों की अद्वितीय ताकत, अनुशासन और तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन है। थल, जल तथा वायु सेनाओं के एकीकृत समन्वय से दुश्मन को आसानी से कैसे परास्त किया जा सकता है, यह आयोजन इसकी झांकी प्रस्तुत करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन हमारे समाज, विशेष रूप से युवा पीढ़ी को प्रेरित करेगा। सशस्त्र सैन्य समारोह के माध्यम से लोगों को सेना के सामर्थ्य तथा देश की सुरक्षा में हमारे सैनिकों के महत्वपूर्ण योगदान को समझने का अवसर प्राप्त होगा।हम सभी ने इस समारोह में रक्षा शक्ति को और अधिक सुदृढ़ बनाने वाले नयी पीढ़ी के उन्नत सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन देखा। पैराकमाण्डो की शौर्यपूर्ण कार्यवाही, सेना के प्रशिक्षण प्राप्त श्वान दस्तों का अद्वितीय प्रदर्शन, घोड़ों की उत्कृष्ट ट्रेनिंग, आधुनिकतम कॉम्बैट ड्रोन और स्वार्म ड्रोन की ताकत हमारी सेना की पेशेवर दक्षता का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में तीनों सेनाओं द्वारा ज्वाइंटमैनशिप और इण्टीग्रेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया समन्वय का उदाहरण, सशस्त्र बलों की बढ़ती हुई सैन्य ताकत के साथ–साथ राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे को प्रदान की गयी मजबूती को दर्शाता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि थल सेना, वायु सेना और नौसेना के एकजुट होकर कार्य करने का यह परिणाम है कि भारत की सीमाएं सुरक्षित हैं और हम हर चुनौती का मुकाबला कर सकते हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हमारे सशस्त्र बल केवल एक रक्षा ढांचा मात्र नहीं हैं, बल्कि वे हमारे राष्ट्र की सुरक्षा की मजबूत नींव हैं। हमारे वीर जवान अपनी जान की परवाह किये बिना देश की सेवा में तत्पर रहते हैं।

शिवाजी की प्रतिमा गिरने का मामलारू ठेकेदार जयदीप आप्टे के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

सिंधुदुर्ग में पुलिस ने राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने के मामले में ठेकेदार जयदीप आप्टे के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। लुकआउट सर्कुलर किसी को देश से भागने से रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों या समुद्री बंदरगाहों जैसी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर यात्रा करने वाले व्यक्तियों की जांच के लिये जारी किया जाता है।मुंबई । महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में पुलिस ने राजकोट किले में छत्रपति

शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने के मामले में ठेकेदार जयदीप आप्टे के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। लुकआउट सर्कुलर किसी व्यक्ति को देश से भागने से रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों या समुद्री बंदरगाहों जैसी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर यात्रा करने वाले व्यक्तियों की जांच के लिये जारी किया जाता है ठाणे के रहने वाले मूर्तिकार आप्टे को मूर्ति बनाने का ठेका मिला था।

सत्रहवीं सदी के मराठा शासक शिवाजी की प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चार दिसंबर 2023 को किया था, लेकिन नौ माह से भी कम समय में 26 अगस्त को यह प्रतिमा गिर गई। इसके बाद मालवण पुलिस ने आप्टे और संरचना सलाहकार चेतन पाटिल के खिलाफ लापरवाही और अन्य अपराधों के लिए मामला दर्ज किया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पाटिल को कोल्हापुर से गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि आप्टे की तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि मालवण पुलिस ने अब उसके लिए लुकआउट नोटिस जारी कर दिया है। शिवाजी महाराज की प्रतिमा के ढहने से महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की सियासत गरमा गई है।

नेशनल कान्फ्रेंस के पूर्व नेता का बड़ा दावा, 2014 में बीजेपी के साथ सरकार बनाना चाहते थे उमर अब्दुल्ला

जम्मू में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, राणा ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा नेताओं ने एनसी प्रतिनिधिमंडल की अनदेखी की, जिससे उन्हें खाली हाथ लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा।भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंदर सिंह राणा ने मंगलवार को उमर अब्दुल्ला पर यह कहने के लिए पलटवार किया कि राम माधव पीडीपी के साथ गठबंधन करने के लिए कश्मीर में वापस आ गए हैं। राणा ने दावा किया कि 2014 के चुनावों के बाद, उमर ने गठबंधन के लिए भाजपा नेताओं से संपर्क किया था, लेकिन उन्हें मना कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि मुझे यह सुनकर आश्चर्य हुआ कि उमर अब्दुल्ला ने कहा कि राम माधव के पीडीपी से संबंध हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि तथ्य यह है कि 2014 में, उमर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल, जिसका मैं भी हिस्सा था, भाजपा के साथ गठबंधन करने के लिए भीख का कटोरा लेकर दिल्ली गया था।जम्मू में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, राणा ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह सहित भाजपा नेताओं ने एनसी प्रतिनिधिमंडल की अनदेखी की, जिससे उन्हें खाली हाथ लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। राणा ने कहा नेकां के नेता जिसमें उमर अब्दुल्ला भी शामिल है वह कश्मीर में लोगों को गुमराह करने के लिए कह कर रहे है कि केवल नेशनल कांफ्रेंस भारतीय जनता पार्टी से लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा सच्चाई यह है कि नेकां के 2014 के विधानसभा चुनाव में 15 विधायक थे और भारतीय जनता पार्टी के 25। सत्ता में बने रहने के लिए उमर अब्दुल्ला भाजपा के साथ गठबंधन के लिए सहमत थे और दिल्ली में भाजपा नेताओं में अमित शाह और राम माधव के अलावा संघ के कई नेताओं से वह मिले थे और मिलकर सरकार गठन की पेशकश की थी ।भाजपा ने उनकी पेशकश को ठुकरा दिया था। पीडीपी नेता एवं पूर्व सीएम मुफती मोहम्मद सईद के निधन के बाद भी नेकां ने सरकार गठन के लिए कोशिश शुरू की थी। डा. फारूक अब्दुल्ला ने कटघ्डा में भी कहा था कि भारतीय जनता पार्टी के साथ सरकार बनाने के लिए तैयार है।

आरपीएससी का तुरन्त पुनर्गठन आवश्यक, विश्वसनीयता एवं साख दाव पर

एजेंसी।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने राज्य सरकार से 'राज्य लोक सेवा आयोग' की विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित करने के लिए इसका पुनर्गठन करने की मांग की है। पायलट ने एक बयान में कहा कि पिछले वर्ष सितम्बर में ईडी ने द्वितीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में आरपीएससी के सदस्य बाबूलाल कटारा को गिरफ्तार किया था। जयपुर । कांग्रेस महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने राज्य सरकार से 'राज्य लोक सेवा आयोग' की विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित करने के लिए इसका पुनर्गठन करने की मांग की है। पायलट ने एक बयान में कहा कि पिछले वर्ष सितम्बर में प्रर्वतन निदेशालय (ईडी) ने द्वितीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के सदस्य बाबूलाल कटारा को गिरफ्तार किया था और अब विशेष अभियान दल (एसओजी) ने पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में आयोग के पूर्व सदस्य रामूराम राईका को गिरफ्तार किया है। पायलट ने कहा कि ईडी एवं एसओजी द्वारा पेपर लीक प्रकरणों में की गई इन गिरफ्तारियों से आरपीएससी जैसी प्रतिष्ठित संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लग गया है। उन्होंने कहा,'' मैं पहले भी आरपीएससी की कार्यप्रणाली और चयन प्रक्रिया को लेकर अपना पक्ष रखता आया हूं और उन बातों की अब पुष्टि भी हो रही है।'' पुलिस उप–निरीक्षक भर्ती परीक्षा–2021 के पेपर लीक मामले में अब तक 61 आरोपियों के खिलाफ तीन अलग–अलग आरोपपत्र दाखिल किए जा चुके हैं। इन 61 आरोपियों में 33 प्रशिक्षु उप–निरीक्षक, चार चयनित उम्मीदवार और पेपर लीक गिरोह से जुड़े 24 लोग शामिल हैं। बयान के अनुसार, 65 अन्य आरोपियों की तलाश अभी जारी है। पायलट ने कहा

कि 'रीट', 'सेकण्ड ग्रेड टीचर', सब इंस्पेक्टर, जूनियर इंजीनियर, वन रक्षक सहित दर्जनों परीक्षाओं के पेपर लीक होने से प्रदेश के लाखों बेरोजगार युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ है और उनके माता–पिता एवं परिजन में निराशा फैल गई है। उन्होंने कहा कि लाखों युवा विपरीत परिस्थितियों पढ़–लिखकर नौकरी पाने के लिए परीक्षाओं की तैयारियां कर रहे है और उनके माता–पिता दिन–रात मेहनत करके पैसे जुटाकर अपनी संतानों को शिक्षा के संसाधन उपलब्ध करवा रहे हैं, उन सभी में इन नित–नये खुलासों से संशय की स्थिति बन रही है कि पेपर लीक होने पर मेहनत विफल ना हो जाये। पायलट ने कहा कि हाल के बजट सत्र में घोषणा की गई है कि प्रदेश में चार लाख सरकारी नौकरियां दी जायेगी जिनमें से एक लाख सरकारी नौकरियां मार्च, 2025 तक दी जायेगी। उन्होंने कहा ऐसे में इन सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली भर्ती परीक्षाओं और इसकी चयन प्रणाली में पूरी पारदर्शिता होने के साथ ही परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं और उनके माता–पिता में परीक्षा लेने वाली संस्था के प्रति विश्वसनीयता कायम रखना सरकार का दायित्व है।

जाति आधारित गणना पर भाजपा– आरएसएस के खिलाफ लालू की टिप्पणी, छिड़ा वाकयुद्ध

एजेंसी।

पटना राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने जाति आधारित गणना के मुद्दे पर सत्तारूढ़ भाजपा आरएसएस के खिलाफ कथित टिप्पणी की जिसे लेकर भाजपा और राजद नेताओं के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया। भाजपा की बिहार इकाई के नेताओं ने राजद सुप्रीमो की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि वह 'गुंडों की तरह बात कर रहे हैं'। पटना । बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने जाति आधारित गणना के मुद्दे पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ कथित टिप्पणी की जिसे लेकर मंगलवार को भाजपा और राजद नेताओं के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया। भाजपा की बिहार इकाई के नेताओं ने राजद सुप्रीमो की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि वह 'गुंडों की तरह बात कर रहे हैं'। इससे पहले दिन में जाति आधारित गणना के मुद्दे पर भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)सरकार और आरएसएस पर सीधा हमला करते हुए लालू प्रसाद ने कहा था,''इन आरआरएसध्भाजपा वाला का कान पकड़, दंड बैठक

करा इनसे जातिगत जनगणना कराएंगे। इनका क्या औकात है जो ये जातिगत जनगणना नहीं करायेंगे? इनको इतना मजबूर करेंगे कि इन्हें जातिगत जनगणना करना ही पड़ेगा।''सिंगापुर में नियमित जांच के बाद पटना लौटे लालू ने सोशल मीडिया मंच एक पर लिखा, ''दलित, पिछड़ा, आदिवासी और गरीब का एकता दिखाने का समय अब आ चुका है।'' लालू की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, ''राजद गुंडों की तरह बात कर रहा है...उनकी मूल रूप से गुंडों की है। उन्हें ये सब बंद कर देना चाहिए...हमें धमकाने की कोशिश न करें... हम ऐसी चीजों से नहीं डरते...आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता उन्हें और उनकी पार्टी को करारा जवाब देगी।'' इसी तरह की राय व्यक्त करते हुए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने संवाददाताओं से कहा, ''लालू प्रसाद खुद एक अभिशाप हैं...वे बिहार के लिए एक गाली हैं। लालू ने बिहार को क्या दिया है? उन्होंने राज्य की छवि खराब की है। हमने संकल्प लिया है कि बिहार को उन लोगों से मुक्त कराने के लिए अभियान चलाएंगे जिन्होंने बिहारी शब्द को गाली बना दिया है।'' भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्टी सांसद संजय जायसवाल ने कहा, ''लालू यादव झूठ बोल रहे हैं...बिहार में जातिगत सर्वेक्षण हुआ था और भाजपा ने इसका समर्थन किया था...लालू यादव ऐसा क्यों कर रहे हैं? कांग्रेस शासित राज्यों में जहां जातिगत सर्वेक्षण नहीं हुआ है,

योनेक्स सनराइज ईस्ट जोन इंटर स्टेट टीम व इंडीविजुअल बैडमिंटन चौम्पियनशिप 2024के लिए आज रवाना होगी उत्तर प्रदेश टीम

लखनऊ(आरएनएस)। बी.बी.डी. उ0 प्र0 बैड़मिंटन अकादमी गोमती नगर, लखनऊ से योनेक्स सनराइज ईस्ट जोन इंटर स्टेट टीम व इंडीविजुअल बैडमिंटन चौम्पियनषिप–2024, गया (बिहार) मे दिनांक 05 सितम्बर से 08 सितम्बर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस चौम्पियनषिप के लिए उत्तर प्रदेष की (बालक बालिका) की 27 सदस्यीय टीम चयनित समिति द्वारा चयनित की गयी है। टीम मंगलवार दिनांक 03.09.2024 को रात्रि में ट्रेन द्वारा प्रस्थान करेगी। उ0 प्र0 बैड़मिंटन संघ की चयन समिति ने 23 खिलाड़ियो एवं 04 आफिषियल का चयन किया है। खिलाड़ियों का चयन हाल मे हुए टूर्नामेंट में उनके प्रर्दषन के आधार पर किया गया इनमे नीर नेहवाल, चिराग सेठ, सिद्वार्थ मिश्रा, आरूष श्रीवास्तव आयुष अग्रवाल, तुषार गगनेजा, सिद्वान्त सलार, राजन यादव षिवांगी सिंह, रिद्विमा सिंह, आषे सिंह, आराध्या शर्मा, अर्चित सिन्हा षिवम वर्मा, काजल पनवार, तरनजीत कौर, आदित्या यादव, रिद्वि भारद्वाज, बालकेष्री यादव, सुजाता सिंह, नीतेष ठाकुर, प्रभाष कुषवाहा दिव्यांषी गौतम, शामिल है। ऐंड्रा मुलजया (इंडोनेषियन पुरूष कोच) मुकुल भारद्वाज, (पुरूष कोच), रूपल आनन्द (महिला कोचध्मैनेजर) अनुराग दीक्षित (फिजियो0) के तौर पर रहेगें। खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के लिए काफी मेहनत की है, एडवोकेड के0 सरन (उपाध्यक्ष, उ0प्र0 बैडमिंटन संघ) व डा0 सुधर्मा सिंह (सचिव– उ0प्र0 बैडमिंटन संघ) ने टीम को शुभकामनाए दी, कि टीम अपना शानदार प्रर्दषन करेगी

बुल्डोजर पर उच्चतम न्यायालय का बयान उ0प्र0 सरकार के मुंह पर तमाचा–अजय राय

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने योगी सरकार पर तीखे हमले करते हुए कहा कि आज मा० उच्चतम न्यायालय में हम लोगों की आपत्तियों को सही साबित किया है हमने पहले भी कहा था कि बुल्डोजर से जिस घर को तोड़ा जाता वो सिर्फ अभियुक्त का ही नहीं होता है बल्कि पूरे परिवार का है एक व्यक्ति की सजा पूरे परिवार के जीवन को ध्वस्त करके नहीं दी जा सकती है। आज उच्चतम न्यायालय ने हमारी बातों पर मुहर लगाई है। मनमाने तरीके से सत्ता की गुंडागर्दी के रूप में बुल्डोजर की कार्यवाही निश्चित तौर पर गलत है। उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया है कि उ०प्र० की भाजपा सरकार पक्षपातपूर्ण उत्पीड़न की कार्यवाही करने पर उत्तारू है। राजनीतिक विरोधियों के साथ–साथ निरीह जनता के सपनों को भी बुल्डोजर से ध्वस्त किया जा रहा है।हा कि उत्तर प्रदेश सरकार की इस अराजकता को प्रदेश की जनता किसी भी हाल में बर्दाशत नहीं करेगी। यदि आज प्रदेश में चुनाव करा दिये जाये तो भाजपा 20 सीटों पर भी नहीं दिखाई देगी। पूरे प्रदेश में अराजकता फैली हुई है, हर जगह युवा और महिलाएं धरने पर बैठे हुए हैं, ऐसे समय में योगी सरकार को सद्ध्बुद्धि मिले और उच्चतम न्यायलय के बयान को संज्ञान में लेते हुए प्रदेश सरकार अपनी बुल्डोजर की कार्यवाही को बंद करे नहीं तो बहुत जल्द ही प्रदेश की जनता सरकार के खिलाफ सड़घ्कों पर उतरेगी

केजरीवाल के खिलाफ पर्याप्त सबूत, उत्पाद शुल्क नीति मामले में दिल्ली की कोर्ट ने चार्जशीट पर लिया संज्ञान

एजेंसी।

दिल्ली केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने केजरीवाल, पाठक, विनोद चौहान, आशीष माथुर और सरथ रेड्डी के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। दिल्ली शराब नीति से जुड़े मामले में आप नेता अमित अरोड़ा, आशीष माथुर, पी. शरद रेड्डी और विनोद चौहान को भी आरोपी के तौर पर सीबीआई ने समन किया है।दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कथित शराब घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, आप विधायक दुर्गेश पाठक और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र पर मंगलवार (3 सितंबर) को संज्ञान लिया। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने कहा कि केजरीवाल और अन्य आरोपियों के खिलाफ आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। न्यायाधीश ने केजरीवाल के लिए प्रोडक्शन वारंट जारी किया और पाठक को 11 सितंबर को तलब किया।केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने केजरीवाल, पाठक, विनोद चौहान, आशीष माथुर और सरथ रेड्डी के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। दिल्ली शराब नीति से जुड़े मामले में आप नेता अमित अरोड़ा, आशीष माथुर, पी. शरद रेड्डी और विनोद चौहान को भी आरोपी के तौर पर सीबीआई ने समन किया है। सीबीआई ने पिछले महीने अदालत को सूचित किया था कि उसने मामले में केजरीवाल और पाठक के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए आवश्यक मंजूरी हासिल कर ली है।

महाप्रबंधक ने उत्तर रेलवे की कार्य प्रगति की समीक्षा की

चल स्टाक और लोकोमोटिव के अनुरक्षण पर बल
सिग्नल और इन्टरलाकिंग प्रणाली पर बल
संरक्षा प्रशिक्षण और जागरुकता कार्यक्रमों की समीक्षा

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी ने आज उत्तर रेलवे के विभागाध्यक्षों और मण्डल रेल प्रबंधकों के साथ एक संरक्षा बैठक की। बड़ौदा हाउस में आयोजित हुई इस बैठक में संरक्षा प्रोटोकॉल को बढ़ाने और यात्रियों और रेल परिसंपत्तियों की संरक्षा के उच्चतर मानकों को सुनिश्चित करने पर बल दिया।समीक्षा बैठक में इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्रोटोकॉल, कर्मचारियों के प्रशिक्षण की पहल, अनुरक्षण शेड्यूलों और नई संरक्षा तकनीकों के क्रियान्वयन जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई । उन्होंने दोहरीकरण और नई रेल लाइनों के निर्माण की विभिन्न महत्वपूर्ण निर्माण परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा भी की और अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। श्री चौधुरी ने कहा कि चल स्टॉक और लोकोमोटिव को अधिकतम सुचारु स्थिति में रखने से संरक्षा, दक्षता और रेल परिचालन की विश्वसनीयता बेहतर होती है। महाप्रबंधक ने सुगम रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए सुदृढ़ सिग्नल और इंटरलॉकिंग प्रणाली के महत्व पर बल दिया। उन्होंने रेल प्रणाली में सजग संरक्षा संस्कृति को अपग्रेड करने के लिए निरन्तर चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने विशेष रूप से मानसून सीजन के दौरान ट्रेन परिचालन की संरक्षा और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। उक्त मुद्दों की व्यापक समीक्षा से उत्तर रेलवे ने अपने ग्राहकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूत किया।

संवाद के माध्यम हिंदी परिपूर्ण होगी– प्रो. भदौरिया

जगत तारन गर्ल्स डिग्री कालेज में हिंदी माह का शुभारंभ

प्रयागराज(आरएनएस)। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में आज मंगलवार को हिंदी माह का उद्घाटन किया गया। जिसमें प्रोफेसर संतोष भदौरिया संयोजक राजभाषा विभाग इलाहाबाद विश्विद्यालय का स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। श्री भदौरिया ने बताया कि युवाओं से अधिक संवाद जरूरी है क्योंकि संवाद के माध्यम से ही कला साहित्य आदि से हिंदी परिपूर्ण होगी। जिससे हिंदी भाषा की संवृद्धि भी होगी। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नही बल्कि और कई प्रकार की आजादी से जुड़ीं है जैसे आर्थिक सामाजिक सांस्कृतिक क्योंकि हम भारत के लोगो को इन्हीं के माध्यम से जोड़ सकते है। उन्होंने अपने वक्तव्य में नेहरू के भाषण का जिक्र किया जिसमें उन्होंने ये कहा था कि हमें गुलदस्ते जैसा हिंदुस्तान चाहिय। उन्होंने कई महान कवियों जैसे चंडीदास व रैदास आदि का भी जिक्र करते हुए रैदास की कविता की तुलना भारत के संविधान के प्रस्तावना से किया। उन्होंने गोदान, राम की शक्तिपूजा, कामायनी आदि रचनाओं का स्वाधीनता स्वतंत्रता से योगदान के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा की पेड़ पौधे नदिया राष्ट्र नही बनाती राष्ट्र तो भाषा बनाती है।गंगा जैसी भाषा ,हिंदी भाषा है।व्याख्यान के उपरांत लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिसमें प्रथम स्थान मनीषा यादव, द्वितीय स्थान खुशी शुक्ला और तृतीय स्थान अंकिता सिंह एवं नैंसी सिंह को मिला। दो छात्राओं को सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया। प्राचार्या प्रोफेसर आशिमा घोष द्वारा स्वागत वक्तव्य एवं कार्यक्रम का संयोजन एवं मंच संचालन डॉ. विजयलक्ष्मी मिश्रा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर अंशुमाला मिश्रा ने किया एवं प्रोफेसर रतन कुमारी वर्मा ने संतोष भदौरिया के योगदान की सराहना की इसमें प्रतियोगिता का निर्णय प्रोफेसर नंदिनी मुखर्जी ,डॉ नम्रता देव ने किया। कार्यक्रम में प्रो अर्चना पाल, प्रो शिखा दीक्षित, डॉ प्रमा द्विवेदी, डॉ अनुराग पांडेय, डॉ दर्शन झा आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे साथ ही साथ शोधार्थी भी उपस्थित रहे।

यूपी मे भेड़िए के बाद अब इस जिले में शुरू हुई तेंदुए की दहशत,

संवाददाता।

लखनऊ वन विभाग ने शुरू की कांबिंग, लगाया गया पिंजरा यूपी के बहराइच जिले में भेड़िए का आतंक है। इस बीच बाराबंकी जिले में तेंदुए की दहशत शुरू हो गई है। दूसरी तरफ थाना जैदपुर इलाके में नहर किनारे बकरी चराने गई किशोरी व बालिका पर जंगली जानवर ने हमला कर दिया। तराई में पिछले चार दिनों से तेंदुआ की चहलकदमी से दहशत बनी हुई है। वन विभाग की टीम गांवों में कांबिंग कर रही है, लेकिनअब तक तेंदुआ रडार से बाहर है। मंगलवार को कहीं भी पगचिन्ह न मिलने से अब वन विभाग तेंदुआ के वापस जाने की आशंका जता रहा है। एहतियातन टीम पिंजरा लगा कर निगरानी कर रही है।बता दें कि बीते शुक्रवार की दोपहर बनर्की के पुरैना गांव के ग्रामीण ने तेंदुआ दिखने की सूचना वन विभाग को दी थी। विभाग ने रामनगर और फतेहपुर की दो टीमें लगा कर कांबिंग शुरू करवाई थी। दूसरे दिन तेंदुआ चार किलोमीटर की दूरी रेती गांव पहुंच गया था। दोनों जगह ग्रामीण की सूचना के आधार पर टीम ने पिंजरा भी लगवाया, लेकिन इसी बीच में मंझौनी गांव में तेंदुआ को दिखाई देने की सूचना मिली। वन विभाग ने जब कांबिंग की तो पगचिन्ह से तेंदुआ होने की पुष्टि नहीं हो पाई। इसके बाद से टीम इन गांवों के इर्द गिर्द डेरा डाले हुए है। डिप्टी रेंजर मोहित श्रीवास्तव ने बताया कि फिलहाल कोई लोकेशन नहीं मिल रही है और न ही पगचिन्ह मिले हैं। आशंका है कि तेंदुआ सरयू नदी के किनारे होते हुए कहीं निकल गया है। टीम निगरानी कर रही है। थाना जैदपुर इलाके में नहर किनारे बकरी चराने गई किशोरी व बालिका पर जंगली जानवर ने हमला कर दिया। हमले में बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि किशोरी को हल्की खरोचे ही आईं। इस दौरान मौके से गुजर रहे एक और ग्रामीण को भी जानवर ने हमलाकर जख्मी किया। इनमें दो लोगों को सीएचसी लाया गया, जहां से बालिका को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। ग्रामीण भेड़िए के हमले की आशंका से दहशत में हैं, हालांकि वन विभाग सियार द्वारा हमला किए जाने की बात कह रहा है। आधा दर्जन गांवों में कांबिंग में टीम ने हमलावर जानवर का कोई सुराग नहीं लगा सकी । थाना जैदपुर क्षेत्र के गोछौरा गांव के अहमद अली की पुत्री रिजवाना (10) व सब्बीर की पुत्री चांदनी (15) मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे गांव से करीब 400 मीटर दूर चंदौली माइनर किनारे बकरी चराने के लिए गई थीं। इस दौरान एक जंगली जानवर ने बकरी पर हमला किया। रिजवाना ने पतथर मारा तो उसपरहमला कर उसके चेहरे को नोच लिया। साथ ही एक अंगुली भी काट डाली। चांदनी ने रिजवाना को बचाने का प्रयास किया तो उसके पैर पर भी झपट्टा मार दिया। इस बीच वहां से गुजर रहे बोजा गांव के महादेव (45) को भी जंगली जानवर ने हमला कर जख्मी कर दिया। शोर सुनकर ग्रामीण मौके की ओर भागे, लेकिन तब तक जानवर जंगल की ओर भाग निकला। आनन–फानन रिजवाना व महादेव को को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतरिख लेकर गए, जहां से उसे जिला अस्पताल भेजा गया। यहां रिजवाना का इलाज चल रहा। उधर, पड़ोस के इनका भी सीएचसी पर इलाज किया गया। सूचना पर डिप्टी रेंजर भगत यादव, वन दारोगा सचिन पटेल, रामदेव, पुलिस व वन कर्मियों के साथ गोछौरा, बोजा, टिकरा, चंदौली, पनिहल, बलछठ आदि गांवों में जंगल की ओर कांबिंग की। वन दरोगा सचिन पटेल ने बताया कि घटनास्थल पर मिले पगचिन्ह के आधार पर सियार की पुष्टि हुई है। घायल महादेव ने भी सियार की पुष्टि की है। लाठी लेकर मुस्तैद ग्रामीण हमले के बाद से दहशतजदा ग्रामीण लाठी–डंडे लेकर मुस्तैद हैं। लोग अपने घरों से बच्चों को बाहर नहीं निकलने दे रहे हैं। वहीं ग्रामीण भी खेतों की ओर जाने से घबरा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय जंगली जानवर दोबारा हमला न कर दे, इसके लिए यहां वन विभाग या पुलिस की टीम तैनात की जाए। इस घटना के बाद आसपास के गांवों में बहराइच में भेड़ियों के वीडियो तेजी के साथ प्रसारित होने लगे। इससे ग्रामीण और सहम गए। शिक्षकों ने बच्चों को पहुंचाया घरघटना के बाद प्राथमिक विद्या बोजा, गोछौरा, टेरा, चंदौली स्कूलों के बच्चों में दहशत फैल गई। छुट्टी के बाद बच्चों को शिक्षक सुरक्षित घर पहुंचाने के लिए घर तक गए। कई परिजन भी स्कूल में मौजूद रहे।

सुल्तानपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष के भतीजे की गोली मारकर हत्या, सरेआम चौराहे पर मारी गोली,

संवाददाता।

लखनऊ शहर के पयागीपुर क्षेत्र के एक स्पा सेंटर के बाहर मंगलवार देर शाम दो पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बात बढ़ने पर एक पक्ष के लोगों ने एक युवक को गोली मार दी। गोली युवक के बांई तरफ सीने के नीचे लगी। इससे वह घायल होकर गिर पड़ा। वहीं हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल युवक को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक लोहरामऊ के भाजपा मंडल अध्यक्ष का भतीजा है। सोशल मीडिया पर गोली मारने का वीडियो भी वायरल हुआ है।कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के पकड़ी गांव निवासी प्रवेश सिंह का पुत्र अभय प्रताप सिंह (22) मंगलवार देर शाम करीब छह बजे पयागीपुर चौराहे के निकट स्थित एक स्पा सेंटर के

पूर्व सांसद रेवती रमन सिंह समेत 2 के खिलाफ दाखिल हुई चार्जशीट

लोकसभा चुनाव के मतदान के दिन हुआ था हंगामा

प्रयागराज(आरएनएस)। प्रयागराज में पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह और उनके समर्थक के खिलाफ पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी। कांग्रेस सांसद उज्जवल रमण सिंह के पिता रेवती रमण के अलावा रेहान अहमद, गुलशेर और हारिओम साहू के खिलाफ करेली पुलिस चार्जशीट दाखिल की है। मामला लोकसभा चुनाव के दिन मतदान केंद्र के बाहर समर्थकों संग हंगामे का है। साथ ही चुनाव में अपने प्रत्याशी के पक्ष में वोट डालने के लिए प्रेरित करने के आरोप से जुड़ा है। घटना वाले दिन पूर्व सांसद को करेली थाने में बैठा लिया गया था। तब कांग्रेस और सपा समर्थकों ने हंगामा किया था।ज्ञात हो कि लोकसभा चुनाव के दिन वोटिंग के दौरान हुए हंगामे के बाद करेली पुलिस ने एसआई मनीष कुमार राय की तहरीर पर पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह, चालक चंद्रशेखर और 50 समर्थक नाम पता अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर किया था। मामले में विचेचना कर रहे एसआई ने चार्जशीट दाखिल कर दी है। एफआईआर में 7 सीएलए की धारा भी बढ़ाई गई है। पुलिस ने इस मामले में पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण उनके समर्थक रेहान अहमद, गुलशेर और हारिओम साहू के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। घटना वाले दिन पूर्व सांसद जिस वाहन में बैठे थे, उस वाहन में सपा–कांग्रेस के झंडे मिले थे। यह मामला तूल पकड़ गया था। जमकर राजनीति भी हुई थी। अब चार्जशीट लगने के बाद एक बार फिर राजनीति गरमा गई है। आरोप है कि लोकसभा चुनाव 2024 के दरम्यान करेली में पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह के मतदान केंद्र के बाहर पहुंचे। इसके बाद हंगामा शुरू हो गया। सरकारी काम में बाधा पहुंचाने, आचार संहिता उल्लंघन के साथ चुनाव प्रभावित करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया। उन्हें ड्राइवर के साथ हिरासत में ले लिया गया। फिर आवश्यक कार्रवाई के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। पूर्व सांसद ने पुलिस पर अभद्रता का आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि पुलिस वाले गुंडई कर रहे हैं। प्रजातंत्र को खत्म करना चाहते हैं। दिल्ली से भाजपा की सरकार जाने वाली है। इनका 400 पार का नारा धरा का धरा रह जाएगा।

जारी नोट कांड में नया खुलासा मौलवी बच्चों को बताता था की आरएसएस आतंकवादी संगठन

मदरसे में पढ़ने वाले सभी बच्चों का करता था ब्रेनवाश

प्रयागराज(आरएनएस)। प्रयागराज के मदरसा में जाली करेंसी छापने के साथ ही एक और खुलासा हुआ है। यहां का प्रधानाचार्य मौलवी मोहम्मद तफसीरुल आरीफीन बच्चों का ब्रेनवाश करता था। उन्हें पढ़ाता था कि आरएसएस देश का सबसे बड़ा आतंकी संगठन है।जाली करेंसी मामले की जांच के लिए आईबी की टीम 28 अगस्त को मदरसा पहुंची थी। मौलवी के कमरे की जांच में कई आपत्तिजनक किताबें और तस्वीरें बरामद कीं। आरएसएस से जुड़े कुछ दस्तावेज और किताबें भी मिली हैं। जिसमें ब्रेनवाश के मामले का खुलासा हुआ।सूत्रों के अनुसार खुफिया एजेंसियों ने इसे लेकर जांच तेज कर दी है। हालांकि पुलिस अधिकारियों ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन किताबें मिलने की बात मानी है। उनका कहना है कि मामले की जांच आईबी कर रही है। मदरसा अतरसुइया थाने से महज एक किलोमीटर दूर है।आईबी की टीम को मदरसे से जो किताबें मिली हैं, उनमें एक ष्आरएसएस देश का सबसे बड़ा आतंकवादी संगठनष नाम की किताब मिली है। इसके लेखक एस एम मुशर्रफ, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (महाराष्ट्र) हैं। मूल किताब उर्दू भाषा में लिखी गई है। इसके हिंदी और मराठी अनुवाद वाली भी किताबें हैं। यह किताब मदरसे के कार्यवाहक प्रिंसिपल मौलवी तफसीरुल आरीफीन के कमरे से मिली है। मौलवी के कमरे से कई स्पीड पोस्ट की पर्चियां मिली हैं। पर्चियों के आधार पर पुलिस एड्रेस वेरीफाई कर रही है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि कहां क्या भेजे जाते थे? ज्ञात हो कि मदरसा जामिया हबीबिया करीब 84 साल पुराना है, जो बगैर मान्यता के सोसाइटी रजिस्ट्रेशन पर चल रहा। मदरसे की पहली मंजिल पर एक कमरे में 100–100 के नकली नोट छापे जा रहे थे। छापेमारी कर 28 अगस्त को पुलिस ने इसका पर्दाफाश किया। पुलिस ने मदरसे में छापेमारी के मास्टरमाइंड जहीर खान, मौलवी तफसीरुल आरीफीन और 2 अन्य को गिरफ्तार किया था। मदरसे में करीब 70 बच्चे पढ़ाई करते हैं। यहां बच्चों के रहने के लिए हॉस्टल और खाने–पीने का भी इंतजाम है। इस मदरसे में यूपी के अलावा बिहार, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल सहित 6 राज्यों के बच्चे पढ़ते हैं।

दूसरे दिन भी जारी रहा एनपीएस और यूपीएस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

प्रयागराज(आरएनएस)। अटेवा व एन एम ओ पी एस के आह्वाहन पर एन पी एस तथा यू पी एस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी रहा। सभी कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों पर शिक्षक, कर्मचारी और अधिकारियों ने काला फीता बांधकर विरोध दर्ज कराया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बन्धु ने बताया कि एनपीएसध्यूपीएस के खिलाफ प्रदर्शन कन्याकुमारी से कश्मीर तक व अटक से कटक तक पूरे भारत में हो रहा है। यही इस आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत है। संगठन, विभाग, गुट व पदों की सीमाओं से बाहर आ करके लोग साथ खड़े हो रहे हैं। इस प्रदर्शन को काला फीता बाँध कर लगातार 6 सितम्बर तक करना है।

प्रदेश संगठन मंत्री अशोक कनौजिया, प्रदेश आई टी सेल प्रभारी सैय्यद दानिश इमरान व राष्ट्रीय आई टी से सदस्य संजय पटेल ने कहा हूबहू पुरानी पेंशन बहाली तक सम्पूर्ण भारत में विरोध जारी है देश, प्रदेश, जिला और ब्लॉक का कोई कोना ऐसा नहीं है जहां से एनपीएसध्यूपीएस के खिलाफ विरोध न हो रहा हो। ऐसे मे प्रयागराज जनपद अटेवा के पदाधिकारियों को बधाई कि जिला अध्यक्ष जितेंद्र उर्फ जीतू भाई और जिला महामंत्री आर के यादव के साथ मिल कर प्रयागराज के सभी ब्लॉक से सभी शिक्षण संस्थानों और कार्यालयों से हजारों की संख्या में शिक्षक, कर्मचारी और अधिकारी काली पट्टी बांध कर लगातार एन पी एसध्यू पी एस का विरोध कर रहे हैं और छः सितम्बर तक जारी रहना चाहिए। उपरोक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी अटेवा प्रयागराज कर्मचारी नेता रविशंकर मिश्रा ने दिया।

यूपीएस का विरोध धनूपुर ब्लाक से अमर यादव, करछना से पुष्पराज सिंह, हंडिया से सुरेश यादव, बहादुरपुर से रत्नेश कुमार सिंह, प्रतापपुर से ललित,मेजा से अनुराग पाण्डेय, जसरा से जीतेन्द्र शर्मा, कोरॉव से संदीप सिंह कुशवाहा, उरुवा से आशीष रंजन, फूलपुर से परवेज अख्तर, कोंधियारा से रिजवान अहमद, शंकरगढ़ से कमलेश सिंह, मऊआईमा से आरती सिंह, पीडब्लूडी से फूलचंद यादव, राम सुफल वर्मा, संदीप कुशवाहा, संजीत यादव, ज्ञानचंद आदि रहे।

76 ग्राम पंचायत के प्रधानों ने किया रामनगर खंड विकास अधिकारी महोदया के खिलाफ प्रदर्शन

C;jk ckjkcdh &

ग्राम प्रधान के जिला अध्यक्ष रामकुमार मिश्रा ने कहा कि पिछले दो दिनों से खंड विकास अधिकारी के विरोध उनके भ्रष्टाचार को लेकर व स्थानांतरण को लेकर विकासखंड के सारे ग्राम प्रधान धरने पर बैठे हैं मीडिया से बात करते हुए कहा कि मनरेगा से संबंधित कार्य है जिनका भुगतान है जोकि लगभग 10: कमीशन मांगा जा रहा है ऐसी स्थिति में विकास कार्य पर 10: दे पाना ग्राम प्रधानों के लिए संभव नहीं है और इस मंशा का विरोध करने के लिए खंड विकास अधिकारी के स्थानांतरण की मांग ले को लेकर सभी ग्राम प्रधान धरने पर बैठे हैं और यह भी कहा कि हर कार्य पर 10: की डिमांड होती है और प्रत्येक गौशालाओं में हर मांग की डिमांड जाती है जिले स्तर पर तब जाकर उसका भुगतान होता है लेकिन इस बार वर्तमान खंड विकास अधिकारी के द्वारा मांग की गई है कि ध्50000 मिनिमम जमा करें तब डिमांड दी जाएगी जो कि हर माह देना होगा ऐसे में ग्राम प्रधान जिला अध्यक्ष ने आगे कहा कि रामनगर खंड विकास में 76 ग्राम पंचायत हैं और सभी ग्राम प्रधान खंड विकास अधिकारी मोनिका पाठक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं कहा कि पिछले दो दिन के धरने पर बैठे प्रधानों ने उच्च अधिकारियों से वार्ता चल रही है उसके बाद ही आगे कुछ सोचा जाएगा जिस पर यूपी सरकार की सोच और विचारधारा से हम सब प्रभावित हैं कहां की जो यूपी सरकार की सोच और विचारधारा वह उनके द्वारा सभी योजनाएं हम ग्रामीण और किसान तक पहुंचाएं और हम सब मिलकर ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार के साथ सबका साथ सबका विकास को सफल बनाने का अथक प्रयास कर रहे हैं लेकिन खंड विकास अधिकारी महोदया की तरफ से सरकार की मंशा पर पानी फेर जा रहा है यह भी कहा कि कुछ दिन पूर्व मुख्यमंत्री का आदेश आया था कि किसी भी खंड विकास व किसी कार्यालय में बाहरी कर्मचारी बैठकर कार्य का निस्तारण नहीं करेगा लेकिन वर्तमान खंड विकास अधिकारी महोदया के द्वारा पूरी टीम अपने साथ लाई गई और यही नहीं किसी भी कार्य के लिए अलग–अलग टेबल पर उनका प्राइवेट कर्मचारी बैठा है जब भी कोई कार्य लेकर जाते हैं तो उनके प्राइवेट कर्मचारी का कहना होता है जब तक आप तय धनराशि नहीं जमा करेंगे आपका कार्य नहीं पास होगा सूत्रों की मिली जानकारी के अनुसार सुनने में यह भी आया है कि खंड विकास अधिकारी महोदया के संबंध उत्तर प्रदेश सरकार में उच्च पदों पर आसीन हैं शायद यही वजह है की खंड विकास अधिकारी महोदया को किसी का डर नहीं है खुले शब्दों में उनका कहना है कि आप लोग हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकते हो, ऐसी धमकियां देकर सच को दबाया जा रहा है ऐसा करके मुख्यमंत्री की विचारधारा पर चोट कर रहे हैं रामनगर खंड विकास को भ्रष्टाचार के दलदल में धकेल दिया गया है और अपनी प्राइवेट टीम के द्वारा समस्त कार्यों का निस्तारण कराया जा रहा है धरने का मुख्य कारण यह है कि हम सभी प्रधानों की आवाज ऊपर तक जाए और यूपी सरकार इस मामले को संज्ञान में लेकर उचित कार्यवाही करें

मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में पंजीकरण की रफ्तार बढ़ाएं– कुलपति

9 सितंबर तक खुली रहेगी पंजीकरण विंडो

प्रयागराज(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के आगामी 11 सितंबर 2024 को होने वाले 19वें दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए पूरे प्रदेश से अभी तक 1672 शिक्षार्थियों ने पंजीकरण करा लिए हैं। जिनमें प्रयागराज क्षेत्र 424 पंजीकरण के साथ बढ़त बनाए हुए है। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने आज सभी क्षेत्र के समन्वयकों से कहा कि वह अधिक से अधिक शिक्षार्थियों का पंजीकरण कराकर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करायें जिससे उन्हें भी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में पंजीकरण की प्रगति धीमी है उसे व्यक्तिगत प्रयास से तेजी से आगे बढ़ाया जाए।

पंजीयन एवं वेबसाइट समिति की समन्वयक प्रोफेसर श्रुति ने अभी तक हुए पंजीकरण की अद्यतन जानकारी देते हुए बताया कि दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए अभी तक पूरे उत्तर प्रदेश से 1672 शिक्षार्थियों ने पंजीकरण कराया है। जिसमें सबसे अधिक प्रयागराज क्षेत्र से 424, वाराणसी क्षेत्र से 216, लखनऊ क्षेत्र से 189 , झांसी क्षेत्र से 142, गोरखपुर क्षेत्र से 111, आजमगढ़ क्षेत्र से 106, अयोध्या क्षेत्र से 100, कानपुर क्षेत्र से 99, आगरा क्षेत्र से 94, मेरठ क्षेत्र से 77, गाजियाबाद क्षेत्र से 62 तथा बरेली क्षेत्र से 52 शिक्षार्थियों ने पंजीकरण कराया है।

विश्वविद्यालय के जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, झांसी, कानपुर, आगरा, मेरठ, बरेली, आजमगढ़, गाजियाबाद तथा लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयकों को कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने निर्देशित किया है कि वह पंजीकरण करा चुके छात्र–छात्राओं को प्रेरित करें कि वह विश्वविद्यालय में उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करें। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने परीक्षा नियंत्रक को निर्देशित किया कि पंजीकरण कराने वाले शिक्षार्थियों की उपाधियां समय से तैयार करा ली जाएं।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 04 सितंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के लिए महा संपर्क अभियान के तहत संत महंतों से किया जनसंपर्क

हाई कोर्ट में उपस्थिति दर्ज कराकर देंगे गवाही

मथुरा श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास द्वारा आज तीसरे दिन महा संपर्क अभियान के तहत विद्वान संतों, महंतों से संपर्क कर श्री कृष्ण जन्मभूमि ईदगाह केस मैं माननीय हाई कोर्ट में गवाही के लिए संपर्क कर शपथ पत्र भरवाये गए, पुराना रास मंडल में हुई बैठक को संबोधित करते हुए हिंदूवादी एवं पक्षकार दिनेश शर्मा ने कहा कि याचिकाकर्ता होने के नाते हमने सभी संप्रदायों, महामंडलेश्वर, आचार्यगणों , से गवाही के लिए संकल्प पत्र लिए हैं, सभी संतो ने राम मंदिर आंदोलन की तर्ज पर श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के

लिए मनोयोग से लगने की बात कही है।महंत रामस्वरूप दास छोटी छावनी, महंत लाली शरण जी महाराज रास मंडल निर्मोही अखाड़ा, उदासीन संप्रदाय के रामशरण दास, प्रतिबद्ध होकर कहा की भगवान योगेश्वर श्री कृष्ण के लिए हमारा तन मन धन समर्पित है, हमारा बालक दिनेश शर्मा फलाहारी, जोअब निर्णायक भूमिका में है, चराचर ब्रह्म के स्वामी योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण की भूमि आताताई शक्तियों से मुक्त होगी ऐसा हमारा विश्वास हैस

विप्र नेता बिहारीलाल वशिष्ठ, पं श्याम बिहारी चतुर्वेदी

ने कहा कि सभी संत राम मंदिर आंदोलन के बाद अब भगवान श्री कृष्ण के मंदिर निर्माण में लगेंगे,समस्त ब्रजमंडल में एक बार फिर राम मंदिर आंदोलन की तर्ज पर श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति जनजागरण की गूंज सुनाई देगी।इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ जमुना देवी शर्मा, मधुबन संत हरिदास, विश्व हिंदू परिषद के नेता जयराम शर्मा, राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश पाठक, जिलाध्यक्ष ठाकुर नरेश सिंह, मीडिया प्रभारी रिचा शर्मा, बालकिशन शर्मा,बालू पंडित, महिला जिला अध्यक्ष गुंजन शर्मा, सरोज गोला, महेश पंडित, श्रीपाल बघेल आदि उपस्थित थे।

अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव 'ओडिसी इण्टरनेशनल-2024' का भव्य समापन

लखनऊ, 3 सितम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस द्वारा आयोजित चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव 'ओडिसी इण्टरनेशनल–2024' का भव्य समापन आज सी. एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में हुआ। इस अवसर पर रंगारंग शिक्षात्मक–सॉंस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच देश–विदेश के प्रतिभागी विजयी छात्रों को शील्ड, मैडल व सार्टिफिकेट प्रदान कर

सम्मानित किया गया। स्प्रिंगडेल सीनियर स्कूल, अमृतसर की छात्र टीम ने 'ओडिसी इण्टरनेशनल–2024' की ओवरऑल चौम्पियनशिप ट्राफी जीतकर अपने ज्ञान–विज्ञान का परचम लहराया जबकि सेंट मार्क्स सीनियर सेकेण्डरी पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली के छात्रों ने रनरअप ट्राफी पर कब्जा जमाया। 'ओडिसी इण्टरनेशनल–2024' का आयोजन 31 अगस्त से 3 सितम्बर तक सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में किया गया, जिसमें अमेरिका, इंग्लैण्ड, रूस, नेपाल, श्रीलंका एवं देश के विभिन्न प्रान्तों से पधारे लगभग 500 छात्रों व विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया।

इससे पहले, मुख्य अतिथि डा. जकारी एडम, यूपी स्टेट हेड, यूनिसेफ, ने दीप प्रज्वलित कर समापन समारोह का उद्घाटन किया एवं विजयी प्रतिभागियों को पुरष्कृत कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में डा. एडम ने कहा कि आज का युग एक ऐसी भाषा चाहता है जिसमें सभी लोगा अपने विचारों का आदान–प्रदान आसानी से कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि ओडिसी जैसे कार्यक्रम छात्रों में और अधिक ज्ञान प्राप्त कर शिक्षा के स्तर को और ऊँचा करने की प्रेरणा देते हैं। ओडिसी इण्टरनेशनल–2024 की संयोजिका एवं सी.एम.एस. राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस की वरिष्ठ प्रधानाचार्या श्रीमती निशा पाण्डेय ने देश–विदेश से पधारे सभी प्रतिभागी छात्रों व टीम लीडरों को हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अगले ओडिसी में प्रतिभाग हेतु आमन्त्रित किया। 'ओडिसी इण्टरनेशनल–2024' के समापन समारोह में सी.एम.एस. छात्रों ने देश–विदेश से पधारी प्रतिभागी छात्र टीमों के सम्मान में रंगारंग शिक्षात्मक–सॉंस्कृतिक कार्यक्रमों की अनूठी छटा प्रदर्शित कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

डकैती कांड के आरोपियों से पुलिस की मुठभेड़, तीन बदमाश गिरफ्तार

दिनदहाड़े सर्राफा डकैती कांड का एसपी ने किया खुलासा

सुल्तानपुर(आरएनएस)। दिनदहाड़े नगर कोतवाली क्षेत्र के चौक मेजरगंज इलाके के ठठेरी बाजार में भरत जी सर्राफ की दुकान पर हुई डकैती कांड का पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने खुलासा करते हुए मुठभेड़ में तीन अंतर्जनपदीय डकैतों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है।

मंगलवार को पुलिस कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए एसपी सोमेन बर्मा ने बताया कि डकैती की घटना को अमेठी, रायबरेली, प्रतापगढ़, जौनपुर व आजमगढ़ के 15 डकैतों ने अंजाम दिया था। खुलासे में लगी पुलिस टीमों को जानकारी मिली कि मंगलवार को भोर में तीन बाइक सवार संदिग्ध नगर कोतवाली क्षेत्र में इमलिया गांव की तरफ से आ रहे है। तत्काल पुलिस टीमों ने घेराबंदी करते हुए बाइक सवार डकैतों को रोकने की कोशिश की लेकिन उन लोगो ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम ने गोड़वा इंटर कॉलेज के पास आरोपियों को घेर कर आत्म रक्षा में फायरिंग की गई। जिससे तीनों डकैतों के पैर में गोली लग गई वही डकैतों की गोली से स्वाट टीम के आरक्षी शैलेश राजभर हाथ में गोली लगने से घायल हो गया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सचिन सिंह पुत्र स्व कुलदीप सिंह, पुष्पेंद्र सिंह उर्फ डब्लू पुत्र गोविंद सिंह निवासीगण सहरी पोस्ट भीमी थाना कोतवाली नगर जनपद अमेठी व त्रिभुवन उर्फ लाला पुत्र राम वृक्ष निवासी हारीपुर थाना पीपरपुर जिला अमेठी के रूप में हुई। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने 15 किलो सफेद धातु चांदी, चोरी की मोटर साइकिल, 38 हजार पांच सौ रुपया नगद व सभी के पास एक एक अवैध 315 बोर तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद किया।गिरफ्तार आरोपी सचिन सिंह के खिलाफ 2019 से लेकर अब तक लूट, चोरी, डकैती, मारपीट के 07 मुकदमें दर्ज है। त्रिभुवन कोरी के खिलाफ लूट व डकैती के दो मुकदमे व पुष्पेंद्र पहली डकैती के मुकदमे में वांछित है। उन्होंने बताया कि गिरफतार आरोपियों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा था। इलाज के बाद स्थिति सामान्य हो जाने के बाद सभी को न्यायालय ने पेश किया गया। जहा से उन्हे जेल भेज दिया गया। एसपी ने बताया कि इस गिरोह का सरगना विपिन सिंह पुत्र सामेंद्र सिंह निवासी भवानी नगर थाना मोहनगंज जनपद अमेठी पुराने मामले में जमानत तुड़वाकर रायबरेली जेल में निरुद्ध है। जबकि अन्य वांछित फुरकान उर्फ गुज्जर पुत्र मो सैफ निवासी चंदई चिलौली थाना मोहनगंज अमेठी, अनुज प्रताप सिंह पुत्र धर्मराज सिंह निवासी जनापुर थाना मोहनगंज अमेठी,अरबाज पुत्र शान मोहम्मद निवासी आशापुर रूरू थाना मोहनगंज अमेठी, विनय शुक्ला पुत्र राम तीर्थ शुक्ला निवासी सहमेऊ थाना मोहनगंज अमेठी, मंगेश यादव उर्फ कुंभे पुत्र राकेश निवासी अगरौरा थाना बक्सा जौनपुर, अंकित यादव उर्फ शेखर निवासी हरिपुर थाना आसपुर देवसरा प्रतापगढ़, अजय यादव उर्फ डीएम पुत्र बाबूलाल निवासी लारपुर थाना सिगरामऊ जौनपुर, अरविंद यादव उर्फ फौजी पुत्र देव यादव निवासी चमराडीह थाना फूलपुर आजमगढ़, विवेक सिंह पुत्र सामेंद्र सिंह निवासी भवानी नगर मोहनगंज अमेठी, दुर्गेश प्रताप सिंह पुत्र शत्रुघन सिंह निवासी नयापुरवा रायबरेली व अरबाज का साथ नाम पता अज्ञात की गिरफ्तारी के लिए सात टीमें गठित की गई है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया जायेगा। आरोपियों की गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अरुण कुमार द्विवेदी, स्वाट टीम प्रभारी धीरेंद्र वर्मा व थाना अध्यक्ष करौंदीकला उपेंद्र सिंह के साथ उनकी टीम ने अहम भूमिका निभाई। एसपी की प्रेस ब्रीफिंग में सीओ सिटी शिवम मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक अरुण चन्द भी मौजूद रहे।

दो दिवसीय नश्वलेज शेयरिंग एवं नवाचार मेले का शुभारम्भ

सुलतानपुर(आरएनएस)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, सुलतानपुर में दो दिवसीय नॉलेज शेयरिंग एवं नवाचार मेले का शुभारम्भ मंगलवार को हुआ। कार्यक्रम का उदघाटन डायट प्राचार्य पारसनाथ ने मां सरस्वती जी की प्रतिमा में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से किया। जिले के सभी विकास खंडो से माध्यमिक, उच्च प्राथमिक, प्राथमिक विद्यालयों के प्रतिभागी शिक्षकों द्वारा शिक्षण अधिगम सामग्री, पीपीटी, प्रासंगिक चित्रों, वीडियो एवं नवाचारों का प्रस्तुतीकरण किया गया। नवाचार मेले का अवलोकन जनपद के विभिन्न विद्यालय से आए हुए शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया। नवाचार मेले में विभिन्न संवर्गों में शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत नवाचार और बेस्ट प्रैक्टिसेस का मूल्यांकन त्रिसदस्यीय समिति द्वारा किया गया। जिसमें विजय प्रताप सिंह, प्राचार्य, केएनआईएमटी सुलतानपुर, संतोष कुमार पाण्डेय, सहायक आचार्य, संत तुलसीदास डिग्री कॉलेज, सुलतानपुर तथा पूजा श्रीवास्तव, गनपत सहाय पी.जी. कॉलेज, सुलतानपुर शामिल रहे। कार्यक्रम का समन्वयन शशांक शेखर सिंह, शरद चतुर्वेदी तथा दिलीप कुमार शर्मा ने किया। कार्यक्रम का संचालन डायट प्रवक्ता डॉ. हरि ओम त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम के संचालन में पटल प्रभारी मनीष तिवारी ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर डायट प्रवक्ता सुनील बरनवाल, प्रियंका सिंह, दिव्या रानी इत्यादि तथा एसआरजी सुनील सिंह और सत्यदेव पाण्डेय उपस्थित रहे। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी शशांक शेखर सिंह ने बताया कि जनपद अमेठी हेतु नवाचार एवं बेस्ट प्रैक्टिसेज दिनांक 05.09.2024 को आयोजित किया जाएगा जिसमें जनपद अमेठी के परिषदीय विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा

मनाया गया उद्योग व्यापार मंडल स्थापना दिवस

सुलतानपुर(आरएनएस)। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने अपना 31वां स्थापना दिवस किशोरी वाटिका में मनाया। हर वर्ष वृहद तौर पर संगठन अपना स्थापना दिवस मनाता आया है जिसमें जनपद के वरिष्ठ व्यवसायी, डाक्टर, पत्रकार, समाजसेवीयों का सम्मान किया जाता है, किंतु चौक ठठेरी बाजार भरत जी सोनी के यहां हुऐ लूट कांड के कारण इस पर संगठन ने अपना 31वां स्थापना दिवस जिलाध्यक्ष विजय प्रधान की अध्यक्षता में बडी ही शालीनता के साथ मनाया। जिसमें चिकित्सा क्षेत्र से डाक्टर आर ए वर्मा, पत्रकारिता क्षेत्र से दिनेश दूबे, व वरिष्ठ व्यापारी कमल सेठ को अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। संगठन के प्रदेश मंत्री हिमांशु मालवीय ने कार्यक्रम में आए हुए विशिष्ट अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन करते हुए दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का प्रारंभ किया। कार्यक्रम में उपस्थित व्यापारियों ने एक मत होकर लूट कांड का खुलासा व माल बरामदी ना होने की दशा में एक जुट होकर शासन के समक्ष अपना विरोध प्रकट करने की रणनिति बनाई। कार्यक्रम में क्षेत्रिय प्रभारी अमर बहादुर सिंह ने संगठन की रुप रेखा से अवगत कराते हुऐ संगठन का विस्तार करने की रणनीति पर वृहद रुप से संबोधित किया। इस मौके पर जिला प्रभारी प्रवीन्द्र भालोटिया, जिला संयोजक अशोक कसौधन, वरिष्ठ जिला महामंत्री अम्बरीश मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष विनय सिंह, जिला उपाध्यक्ष गोपाल जी सोनी,जिला उपाध्यक्ष नारायण राय, जिला संगठन महामंत्री राकेश अग्रहरि, जिला मंत्री चंद्रदेव मिश्रा, आदि व्यापारीगण मौजूद रहे।

पीड़ित व्यापारी ने माल की किया शिनाख्त

सुल्तानपुर(आरएनएस)। नगर कोतवाली पुलिस द्वारा मुठभेड़ में गिरफ्तार डकैतों के पास से मिले चांदी, डकैती में शामिल बैग की पहचान पीड़ित व्यवसाई भरत सोनी व उनके बेटे सुमित सेठ को कोतवाली बुलाकर कराई। जिसमे उन लोगो ने बरामद माल की पहचान चोरी हुए गहनों के रूप में की। भरतजी सोनी ने कहा कि हम पुलिस कार्यवाही से संतुष्ट है पुलिस द्वारा जो आंशिक सामान बरामद किया गया है वह उन्हीं का है।उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने पूरे माल को बरामद करने का आश्वाशन दिया है। उन्होंने व्यापारियों की सुरक्षा के लिए पुलिस अधीक्षक अधीक्षक से कार्यवाही करने की मांग की।

सर्राफा व्यापारियों को शस्त्र लाइसेंस दिलाने की मुख्यमंत्री से उठी मांग

सुल्तानपुर। सर्राफा व्यापार मंडल के अध्यक्ष देवी प्रसाद सोनी ने कहा कि व्यापारीयो की सुरक्षा के लिए पुलिस व प्रशाशन द्वारा व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो भी व्यापारी सराफा का व्यवसाय करते है उन्हे शस्त्र लाइसेंस दिया जाना चाहिए। दिन दहाड़े शहर के मेजरगंज इलाके की डकैती की घटना में जिलाधिकारी के न पहुंचने पर उन्होंने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि कई बार जिलाधिकारी से फोन पर भी बात करने का प्रयास किया गया लेकिन बात नहीं हो सकी। पुलिस विभाग द्वारा शस्त्र लाइसेंस के आवेदन पर रिपोर्ट तो लगा दी जाती है लेकिन जिलाधिकारी के यहां फाइल जाकर रुक जाती है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री से सराफा व्यवसायियों को सुरक्षा के लिए शस्त्र लाइसेंस दिलाए जाने की मांग की है।

सहायक अभियंता का प्रदेश स्तरीय सिविल सर्विसेज क्रिकेट टीम में हुआ चयन

सुल्तानपुर। प्रदेश स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट सिविल सर्विसेज प्रतियोगिता में लघु सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता मंगल यादव का चयन हुआ है। विभाग के आला अधिकारियों को जैसे ही इसकी खबर लगी तो खुशी की लहर दौड़ गई। अधिकारियों व कर्मचारियों ने लघु सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता को बधाई दी। बताते चलें कि लघु सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता मंगल यादव प्रदेश स्तरीय सिविल सर्विसेज क्रिकेट टूर्नामेंट में अपना जलवा बिखरेंगे, क्रिकेट के बेहतरीन खिलाड़ी माने जाते हैं, उत्तर प्रदेश टीम के लिए लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते आ रहे हैं।

बाइक सवार युवक को ट्रक ने रौंदा, मौत

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। इनायत नगर थाने के हैरिंग्टनगंज पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम पाराताजपुर रमनी स्थित नेताजी ब्रिक फील्ड प्रीतम बाबू के भठ्ठे के पास ट्रक ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक व बाइक सवार युवक दोनों खजुरहट की तरफ से मिल्कीपुर की तरफ जा रहे थे। लोगों ने बताया कि खजुरहट मिल्कीपुर मार्ग पर ग्राम पाराताजपुर में स्थित प्रीतम के भठ्ठे की तरफ जैसे ही ट्रक घूमी, तभी बाइक सवार युवक ट्रक डंफर के पिछले पहिए के नीचे आ गया। जिसके बाद युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हैरिंग्टनगंज चौकी प्रभारी उमेश कुमार मिश्र ने बताया कि बाइक सवार मृतक युवक की पहचान महेन्द्र सोनी (24) पुत्र प्रेमचंद्र निवासी पन्हौना देवीगंज थाना शिवरतन गंज जनपद अमेठी के रूप में हुई है। चौकी प्रभारी ने बताया कि जब मृतक के भाई को घटना के बाबत फोन किया गया तो उसने बताया कि महेन्द्र जगदीशपुर जाने की बात बताकर घर से निकला था। अब वह कैसे वहां पहुंच गया। पता नहीं है। पुलिस ने ट्रक डंफर और बाइक दोनों कब्जे में ले लिया है और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दिया है।

रोडवेज बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते विधायक अभय सिंह

गोसाईंगंज–अयोध्या(आरएनएस)। पौराणिक स्थल श्रृंगीऋषि से चलकर तीर्थराज प्रयाग तक परिवहन निगम की बस सेवा का संचालन मंगलवार को हो गया। बस सेवा के संचालन से पूर्व गोसाईंगंज कस्बे में सभासद आरती जायसवाल की अगुवाई में विधायक अभय सिंह ने विधिविधान से पूजन अर्चन के पश्चात हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।विधायक श्री सिंह ने मौके पर मौजूद जनमानस को सम्बोधित करते हुए कहाकि सभासद आरती जायसवाल का प्रयास का ही नतीजा है जो आज एक बड़ी उपलब्धि के रूप में सामने आया है।बस के संचालन से तीर्थराज प्रयाग तक का सफर करना अब लोगो के लिए काफी आरामदायक हो जाएगा।सभासद आरती जायसवाल द्वारा जनहित में कराए जा रहे कार्यो का सीधा लाभ आमजनमानस को मिल रहा है।उक्त अवसर पर चेयरमैन विजयलक्ष्मी जायसवाल, पूर्व चेयरमैन रमेशचन्द्र पप्पू,संजय पराग,मनोज जायसवाल सीजर,दिनेश जायसवाल,सभासद आलोक कुमार,जगदम्बा प्रसाद,मुन्ना वर्मा, श्यामलाल,अवधेश सोनी,पूर्व सभासद शशि अँगियार,विजय सोनी, अरविंद सिंह,पंकज सिंह,अनिल मल्हू,अशोक मोदनवाल,अशोक चौरसिया सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

निर्माणाधीन 33 एम0एल0डी0 एस0टी0पी0 के कार्यो का निरीक्षण करते मण्डलायुक्त गौरव दयाल

अयोध्या(आरएनएस)। मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने अयोध्या के जमथरा में नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत अयोध्या छावनी क्षेत्र की नालियों का इंटरसेप्सन और डायवर्जन के अन्तर्गत निर्माणाधीन 33 एम0एल0डी0 एस0टी0पी0 के कार्यो का भौतिक निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन एस0टी0पी0 के परिसर में स्थापित विभिन्न मशीनों का अवलोकन किया तथा सम्बंधित अधिशाषी अभियन्ता को निर्देश दिया कि शेष कार्यो को शीघ्र पूरा कर एस0टी0पी0 का संचालन प्रारम्भ करायें, जिस पर अधिशाषी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि सभी मशीनों को स्थापित कर लिया गया है तथा एन0एम0सी0जी0 की एन0ओ0सी0 भी प्राप्त हो गयी है और सिंचाई विभाग से एन0ओ0सी0 प्रतीक्षित है जिसके प्राप्त होते ही एस0टी0पी0 का संचालन प्रारम्भ कर दिया जायेगा। परिसर भ्रमण के दौरान मण्डलायुक्त ने कहा कि परिसर में कहीं भी इंटरलाकिंग ईंट का इस्तेमाल न किया जाय उसके स्थान पर स्टैम्प कंक्रीटिंग करायी जाय तथा अच्छे आर्किटेक्ट से लैण्ड एस्केपिंग की डिजाइन करा कर ही कराई जाय और कुशल उद्यानविद के माध्यम से ही घासध्पौधे उगाये जाय। उन्होंने कहा कि परिसर की बाउण्ड्रीवाल पर मंडाना कला की चित्रकारी की जाय।गौरतलब है कि इस योजना के अन्तर्गत सरकार द्वारा 221.66 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गये है, जिसके माध्यम से अयोध्या छावनी क्षेत्र के जल को लगभग 30 वर्ष तक शुद्व किया जा सकता है। अधिशाषी अभियन्ता निगम ने बताया कि परिसर में भूमि शेष है आगामी भविष्य में आवश्यकताओं को देखते हुये एस0टी0पी0 की क्षमता को और अधिक बढ़ाया जा सकता है। इस दौरान जलनिगम के अधिशाषी अभियन्ता सहित अन्य सम्बंधित उपस्थित रहे।

दो माह पूर्व जंगल में मिले अधजले शव की हुई पहचान

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। अयोध्या जनपद के इनायत नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत चौकी क्षेत्र हैरिंग्टनगंज के ग्राम पंचायत सिंधौरा स्थित सीता चौरा जंगल में बीते 5 जून को मिले अज्ञात अधजले शव के मामले का खुलासा घटना के दो माह बाद हो गया है। मामले में पुलिस टीम की सक्रियता के चलते युवक की हत्या करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक की हत्या के आरोपी सुमित चौहान और संतराम ने प्रेम प्रसंग के चलते उमेश कुमार की हत्या कर शव जंगल में ले जाकर जला दिया था। मृतक उमेश कुमार अलीपुर खजूरी पूरे चौक

सूबेदार गांव का निवासी था। जो थाना क्षेत्र के मिचकुरही गांव में अपने मामा के घर रहता था। बीते 5 जून को वह घर से लापता हो गया था। काफी खोजबीन करने के बाद जब उसके पिता राम नरेश ने 6 जून को गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। मिली जानकारी के मुताबिक पांच जून को युवक उमेश कुमार एक युवती से बातचीत कर रहे थे और इस युवती से आरोपी सुमित चौहान भी बात कर रहा था। सुमित ने युवती का फोन उमेश कुमार से बात करते हुए पकड़ लिया था। युवती से काल करवाकर उमेश कुमार को मिल्कीपुर बुलवाया। वहां से उमेश को सिंधौरा चौराहा ले जाकर उसे खूब शराब पिलाई उसके बाद सुमित चौहान ने अपने साथी जगदीप कनौजिया के साथ मिलकर उमेश का गला दबाकर हत्या कर दिया था।

जगदीप के भाई की मोटर साइकिल से पेट्रोल निकाल शव को जंगल में जला दिया था। पुलिस क्षेत्राधिकारी यश तिवारी ने बताया की काफी प्रयास के बाद उमेश की हत्या करने वाले सुमित चौहान पुत्र संतराम जगदीप कनौजिया पुत्र शोभनाथ निवासी सिधौरा को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां से दोनों हत्यारोपियों को जेल भेज दिया गया। घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

संपादकीय

राज्यों के विधानसभा चुनाव

पिछले दिनों चुनाव आयोग ने हरियाणा और जम्मू कश्मीर में चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है, परन्तु उसने झारखण्ड और महाराष्ट्र के चुनावों की तारीखें नहीं बतलाई । पिछली बार हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव एक साथ हुये थे । चुनाव आयोग पर आरोप है कि वह केन्द्र की सरकार के दबाव में काम करता है । महाराष्ट्र में भाजपा की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है । अजित पवार फैन्स (दीवार के किनारे) बैठे हैं । वे शरद पवार के निकट भी बने रहना चाहते हैं । यूं अभी वे शिंदे की सरकार में उप मुख्यमंत्री हैं । अगली बार भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनायेगी । यह बात शिंदे गुट के शिवसेना को पसंद नहीं होगी । राज ठाकरे भी अपनी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ चुनाव में उतरना चाहता है । झारखण्ड में भाजपा की स्थिति कुछ बेहतर है । चम्बई को भाजपा अपने में मिलाना चाहती थी पर चम्बई सोरेन ने अपनी अलग पार्टी बनाने की घोषणा कर दी । उत्तरप्रदेश की 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तारीखें भी घोषित नहीं हुई है जबकि राज्य की विधानसभा का कार्यकाल कुछ ज्यादा नहीं बचा है ।

जम्मू कश्मीर नेशनल कान्फ्रेंस व कांग्रेस का गठजोड़ हो रहा है । इस बार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह कांग्रेस से दस सवाल पूछ रहे हैं कि क्या वह 370 और 35ए को बहाल करेंगे । क्या पाकिस्तान के प्रति उनका क्या रुख है? क्या वह कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिये जाने के पक्ष में हैं, आदि आदि ।

परन्तु विपक्ष उनसे पूछ रहा है कि उमर अब्दुल्ला वाजपेयी जी के काल में विदेश मंत्री थे । विदेश मंत्री को भारत की अखण्डता का नक्शा दुनिया के सामने रखना पड़ता है । स्मृति ईरानी और शाह कांग्रेस से सवाल पूछ रहे हैं तो इण्डिया गठबन्धन भी भाजपा से सवाल पूछ रहा है कि पी.डी.पी. के साथ भाजपा ने कश्मीर में सरकार कैसे बनाई थी । मेहबूबा मुफ्ती की पी.डी.पी. ने भी अपने घोषणा पत्र में पुनरू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा दिलाया जायेगा । असल में भाजपा से भी कुछ असुविधाजनक सवाल पूछे जा रहे हैं । मेहबूबा के मुख्यमंत्री काल में भाजपा उप मुख्यमंत्री रहीं है । असल में अभी भी कश्मीर में सब कुछ ठीक नहीं है । हर दिन पाकिस्तान से आतंकवादी घुसपैठ करते हैं । बहुत से सेना के अधिकारी और सोल्जर शहीद हो चुके हैं ।

मोहन भागवत ने पिछले दिनों कहा था कि विपक्ष को अपना विरोधी न मानकर उसे प्रतिपक्ष कहना चाहिए । उन्होंने यह भी कहा था कि काम तो करो पर यह अभिमान मत पालो कि मैंने किया था । इधर लग रहा है कि भाजपा को कई मामलों में अपने पैर खींचने पड़ रहे हैं । लैटरल इंट्री वाला विज्ञापन वापिस लेना पड़ा । कई विधेयकों को वापस लेना पड़ता है या होल्ड पर डाल दिया जाता है । मुस्लिम बिल को पार्लियामेंट कमेटी को भेजना पड़ा है । कश्मीर के मसले पर यदि भाजपा कांग्रेस को घेरती है तो विपक्ष भाजपा और पी.डी.पी. के साथ उसके सम्बन्धों को उजागर करेगी । यूं तो सभी टी.वी. चौनल प्रो सरकार हैं यानि प्रो भाजपा । पहले एन.डी.टी.वी. पर रवीश कुमार का प्रोग्राम आता था । अब एन.डी.टी.वी. अडानी ग्रुप के पास है, अतरू रातोंरात रवीश कुमार की छुट्टी कर दी गई । लोग कहते हैं कि अमित शाह ने मुफ्ती मेहबूबा को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया था । यूं प्रधानमंत्री और गृहमंत्री अमित शाह किसी को फूलों का गुलदस्ता भेंट नहीं करते । वे तो प्राप्त करते हैं ।

असल में वर्तमान की घटना भविष्य में क्या रूप लेगी यह किसी को नहीं मालूम । कहते हैं कि भविष्य पुराण में भविष्य का सभी कुछ वर्णित है । पर यह शायद राजनीति पर लागू नहीं होता । चुनाव में जीत हार का असर देश में जो तरक्की हो रही है, उसे पर नहीं पड़ना चाहिए । इसके लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को कुछ कदम बढ़ाकर पास–पास आना होगा । यही भारत का भविष्य है ।

हिंसा का पुराना इतिहास

बलूचिस्तान पाकिस्तान का पुराना नासूर है। इलाकाई लिहाज से यह पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है, जबकि आबादी के लिहाज से सबसे छोटा प्रांत है । खनिज पदार्थों एवं प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध इस प्रांत के बाशिंदों की अनेक शिकायतें रही हैं ।पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हिंसा का पुराना इतिहास है, लेकिन विद्रोही गुटों ने जिस बड़े पैमाने पर सोमवार को हमले किए, वह अभूतपूर्व है। बागियों ने कम–से–कम तीन ठिकानों पर बड़ा धावा बोला। 14 सुरक्षाकर्मियों समेत दर्जनों लोगों के मारे जाने की खबर है। सुरक्षा बलों ने अपनी जवाबी कार्रवाई में 21 ष्उग्रवादियोंष को मार गिराया। इन घटनाओं के साथ बलूचिस्तान मसले पर फिर से दुनिया का ध्यान गया है। बलूचिस्तान पाकिस्तान का बहुत पुराना नासूर है। इलाकाई लिहाज से यह पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है, जबकि आबादी के लिहाज से सबसे छोटा प्रांत है। खनिज पदार्थों एवं प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध इस प्रांत के बाशिंदों की अनेक शिकायतें रही हैं। इनकी जड़ें 1947 में भारत के बंटवारे के समय ही पड़ गई थीं। यह इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि मुस्लिम बहुल बलूचिस्तान का उदारवादी जनमत मजहबी एजेंडे को लेकर बन रहे पाकिस्तान के साथ जाने को तैयार नहीं था।

हरियाणा में यूपी के दलों की दावेदारी सत्ता का सपना पूरा होगा या सिर्फ वोट कटवा बनेंगे ?

हरियाणा की राजनीति में बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव ने भी यही स्थिति दर्शाई थी। कांग्रेस और बीजेपी के बीच सीधा संघर्ष होने के कारण हरियाणा के क्षेत्रीय दलों की स्थिति सियासी हाशिए पर चली गई है। हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश की सियासत के प्रभावशाली दल अपनी किस्मत आजमाने के लिए पूरी ताकत के साथ मैदान में उतर रहे हैं। समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल और आजाद समाज पार्टी जैसी प्रमुख पार्टियां हरियाणा की सियासत में अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही हैं। इन दलों ने अपनी चुनावी रणनीति जातीय और सामाजिक समीकरणों पर आधारित बनाई है। जहां बसपा और आजाद समाज पार्टी दलित वोटरों को अपना आधार मानकर चुनावी मैदान में उतरी हैं, वहीं समाजवादी पार्टी यादव–मुस्लिम समीकरण का फायदा उठाने की योजना बना रही है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय लोकदल जाट समुदाय के आधार पर हरियाणा में अपनी पहचान को विस्तार देने का प्रयास कर रहा है। इस स्थिति में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या ये उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय दल हरियाणा की सियासत में प्रभावी हो पाते हैं या सिर्फ वोट कटवा पार्टी बनकर रह जाते हैं। हरियाणा की राजनीति में बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव ने भी यही स्थिति दर्शाई थी। कांग्रेस और बीजेपी के बीच सीधा संघर्ष होने के कारण हरियाणा के क्षेत्रीय दलों की स्थिति सियासी हाशिए पर चली गई है। इनेलो और जेजेपी जैसे दलों की सियासी उपस्थिति में काफी कमी आई है। इस परिदृश्य में इन दलों ने दलित आधार वाले दलों के साथ गठबंधन किया है। कांग्रेस बनाम बीजेपी की इस लड़ाई में उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय दल किस तरह का प्रदर्शन कर पाएंगे, यह देखने योग्य होगा।उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी ने सत्ता में चार बार पहुंचकर अपने प्रभाव का प्रदर्शन किया है, लेकिन हरियाणा में उसकी स्थिति हमेशा कमजोर रही है। इस बार मायावती ने हरियाणा में इनेलो के साथ गठबंधन किया है। इसी तरह, आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद ने दुष्यंत चौटाला की पार्टी जेजेपी के साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया है। समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन करने की कोशिश की है, जबकि राष्ट्रीय लोकदल ने बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की योजना बनाई है।हरियाणा में बसपा और इनेलो ने जाट–दलित समीकरण को ध्यान में रखकर गठबंधन किया है। इस समझौते के तहत बसपा 34 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि बाकी सीटों पर इनेलो अपने प्रत्याशी उतारेगी। 2019 के चुनाव में बसपा हरियाणा में खाता नहीं खोल पाई थी, लेकिन उसे 4.21 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए थे। इनेलो ने पिछले चुनाव में 2.44 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे, जबकि इससे पहले यह आंकड़ा 24 प्रतिशत था। 2024 के लोकसभा चुनाव में इनेलो को 1.74 प्रतिशत और बसपा को 1.28 प्रतिशत वोट मिले थे।बसपा की कमान युवा नेता आकाश आनंद के हाथ में है, और पार्टी अनुसूचित जाति के 21 प्रतिशत मतदाताओं के सहारे हरियाणा में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहती है। बसपा ने 34 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बनाई है, जिसमें उसकी सफलता की चुनौती बनी हुई है। 2024 के चुनाव में जाट और दलित वोटों का झुकाव कांग्रेस की ओर दिखा है, जिससे बसपा के लिए हरियाणा में अपनी स्थिति स्थापित करना मुश्किल हो सकता है। अगर बसपा का वोट शेयर लगातार गिरता रहा, तो पार्टी कहीं वोट कटवा पार्टी न बन जाए, यह चिंता बनी रहती है।चंद्रशेखर आजाद ने अपनी आजाद समाज पार्टी का राष्ट्रीय विस्तार करने के लिए हरियाणा में जेजेपी के साथ गठबंधन किया है। जेजेपी, जो इनेलो से टूटकर बनी है, ने 2019 में हरियाणा की सियासत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन पिछले पांच वर्षों में उसे अपने सियासी अस्तित्व को बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। चंद्रशेखर ने जेजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। हरियाणा की 90 सीटों में से जेजेपी 70 और आजाद समाज पार्टी 20 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इस गठबंधन से जेजेपी को अधिक लाभ की उम्मीद है। चंद्रशेखर ने यूपी में दलितों के बीच अपनी पहचान बनाई है, लेकिन हरियाणा में उनकी लोकप्रियता सीमित है। कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा और उदयभान जैसे दलित चेहरे राज्य में प्रभावी रहे हैं। ऐसे में चंद्रशेखर के लिए जेजेपी के साथ मिलकर हरियाणा में सफलता प्राप्त करना एक चुनौती हो सकती है।समाजवादी पार्टी ने 2024 में उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में से 37 सीटें जीतकर अपनी ताकत साबित की है। अखिलेश यादव ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में अपनी किस्मत आजमाने का फैसला

किया है। समाजवादी पार्टी कांग्रेस के साथ गठबंधन करके चुनावी मैदान में उतरना चाहती है, लेकिन अभी तक दोनों दलों के बीच कोई ठोस समझौता नहीं हुआ है। कांग्रेस के नेता विधानसभा चुनाव में किसी अन्य दल के साथ गठबंधन करने के लिए तैयार नहीं हैं। सपा ने यह भी तय किया है कि अगर कांग्रेस उसे सीट नहीं देती है, तो वह अकेले चुनाव लड़ने की योजना बना रही है। 2019 में हरियाणा विधानसभा चुनाव में सपा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहां वह चार सीटों पर लड़ी थी और सभी की जमानतें जब्त हो गई थीं। फिर भी, सपा ने चुनाव लड़ने के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है और यादव और मुस्लिम प्रभाव वाली सीटों पर ध्यान केंद्रित किया है। पार्टी की रणनीति यह है कि चाहे सीट मिले या न मिले, लेकिन उसकी पहचान बने और उसे हरियाणा में अपनी स्थिति स्थापित करने में मदद मिले। यह देखना होगा कि सपा इस बार कितना प्रभाव डाल पाती है।राष्ट्रीय लोकदल केंद्र में एनडीए गठबंधन का हिस्सा है और इसके प्रमुख जयंत चौधारी मोदी सरकार की कैबिनेट में हैं। हरियाणा में जाट वोटरों की ताकत को देखते हुए आरएलडी ने विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है। जयंत चौधरी के दादा चौधरी चरण सिंह की ससुराल सोनीपत के गांव गढ़ी कुंडल में है और वह खुद जाट समुदाय से आते हैं। राज्य में जाट वोटर लगभग 28 प्रतिशत हैं।

आरएलडी की योजना बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की है और उसने पांच सीटों पर चुनाव लड़ने का प्लान बनाया है। बीजेपी जाट वोटरों को अपने साथ जोड़ने के लिए आरएलडी को दो से तीन सीटें दे सकती है।हरियाणा की राजनीति में कांग्रेस का विकल्प पहले लोकदल था, लेकिन अब बीजेपी ने उसकी जगह ले ली है। कांग्रेस आज भी अपनी स्थिति बनाए हुए है। उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय दलों को हरियाणा की राजनीति में अपनी जगह बनाने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

हालांकि, इन दलों की उपस्थिति अन्य दलों की संभावनाओं को प्रभावित कर सकती है। बसपा और आजाद समाज पार्टी दलित वोटों का बिखराव कर सकती हैं,

सपा यादव वोटों को बांट सकती है, और आरएलडी जाट वोटों को विभाजित कर सकती है। इस तरह, इन दलों की उपस्थिति सियासी समीकरणों को बदल सकती है और वोट कटवा पार्टी बनने की संभावना को भी जन्म दे सकती है।

भाजपा का चुनावी मशीनरी पर से भरोसा उठा

gfj'kdj 0;kl

लाख टके का सवाल है कि चार राज्यों में विधानसभा के चुनाव भाजपा को कौन लड़ा रहा है? दो राज्यों में चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है। जम्मू कश्मीर में पहले चरण के मतदान के लिए नामांकन खत्म हो गया है और प्रचार शुरू है, जबकि दूसरे चरण के मतदान के लिए पर्चा भरने की प्रक्रिया चल रही है। हरियाणा में पांच सितंबर को अधिसूचना जारी होगी और उसी दिन से नामांकन शुरू होगा। इन दोनों राज्यों के चुनाव नतीजे चार अक्टूबर को आएंगे और उसके तुरंत बाद चुनाव आयोग महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव की घोषणा करेगा। सवाल है कि क्या इन चार राज्यों में भाजपा की प्रदेश कमेटियां चुनाव लड़ या लड़वा रही हैं या राज्यों के प्रभारी चुनाव लड़वा रहे हैं या चारों राज्यों में नियुक्त चुनाव प्रभारियों के पास चुनाव लड़ाने का जिम्मा है या इससे अलग कोई व्यक्ति या संगठन पार्टी को चुनाव लड़ा रहा है?

ऐसा लग रहा है कि लोकसभा चुनाव के बाद से भाजपा का अपनी चुनावी मशीनरी पर से भरोसा उठ गया है। उसने भाजपा के संगठन और साथ ही राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के नेटवर्क को ताक पर रख दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर भी भाजपा एडहॉक तरीके से काम कर रही है, यह दिख रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का विस्तारित कार्यकाल भी खत्म गया है लेकिन पार्टी ने उनको फिर से एक सेवा विस्तार देने की औपचारिकता नहीं निभाई। वे ऐसे ही अध्यक्ष बने हुए हैं। यही हाल सभी प्रदेश कमेटियों का है। हर जगह प्रदेश कमेटियां सिर्फ हैं, उनको कोई काम नहीं करना है। जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं वहां भी भाजपा ने उनको किनारे ही करके रखा है।

जम्मू कश्मीर में भाजपा का पूरा संगठन ही शिथिल कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पसंद से राम माधव को कश्मीर घाटी की राजनीति संभालने के लिए भेजा है। चार साल पहले पार्टी महासचिव पद से हटा कर उन्हे बियाबान में भटकने के लिए छोड़ दिया गया था। वे भाजपा और संघ दोनों से बाहर थे। हालांकि परदे के पीछे से वे प्रधानमंत्री के लिए विदेश मामलों में कुछ काम करते थे लेकिन राजनीतिक भूमिका नहीं बची थी। उन्होंने चूंकि कश्मीर घाटी की पार्टियों खास कर पीडीपी के साथ अच्छे संबंध बनाए हैं और सज्जाद लोन या अल्ताफ बुखारी जैसे नेताओं के साथ भी कामकाजी रिश्ते हैं तो उनको वहां की राजनीति संभालने के लिए भेजा गया है। जम्मू की राजनीति पहले जितेंद्र सिंह कर रहे थे लेकिन अब नेशनल कॉन्फ्रेंस में लंबे समय तक रहे उनके भाई देवेंद्र सिंह को भाजपा में शामिल कराया गया है। सोचें, वे उमर अब्दुल्ला के राजनीतिक सलाहकार थे। उनके जिम्मे जम्मू की राजनीति है। भाजपा के अपने पुराने चेहरे गायब हैं। पूर्व मुख्यमंत्री निर्मल सिंह और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कविंद्र गुप्ता दोनों की टिकट की घोषणा नहीं हुई है। भाजपा ने पहले जी किशन रेड्डी को वहां का प्रभारी बनाया था लेकिन अब रेड्डी को राम माधव के साथ काम करना है।इसी तरह हरियाणा में भाजपा ने पिछले 10 साल से गैर जाट की राजनीति की है और इसी वजह से उसको सफलता भी मिली लेकिन चुनाव से ऐन पहले उसने कांग्रेस की किरण चौधरी को पार्टी में शामिल कराया और राज्यसभा भेज दिया। दीपेंद्र हुड्डा के लोकसभा सांसद बनने से खाली हुई राज्यसभा सीट पर किरण चौधरी उच्च सदन में गई हैं। अब किरण चौधरी और उनकी बेटी श्रुति चौधरी मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ प्रचार कर रहे हैं। सोचें, हरियाणा में भाजपा के तमाम पुराने नेता रामबिलास शर्मा, अनिल विज, ओमप्रकाश धनखड़, कैप्टेन अभिमन्यु आदि हाशिए में हैं और परिवारवाद के कथित विरोधी नरेंद्र मोदी की पार्टी में हरियाणा के तीनों लालों के परिवार के सदस्य राजनीति कर रहे हैं। देवीलाल के बेटे रणजीत चौटाला, बंशीलाल की बहू किरण चौधरी व पोती श्रुति चौधरी और भजनलाल के बेटे कुलदीप बिश्नोई, बहू रेणुका बिश्नोई और पोते भव्य बिश्नोई भाजपा की राजनीति के चेहरे हैं।

झारखंड में भाजपा की राजनीति अब पूरी तरह से हिमंत बिस्व सरमा के हाथ में है। वहां बाबूलाल मरांडी प्रदेश अध्यक्ष हैं, लक्ष्मीकांत वाजपेयी प्रदेश के संगठन प्रभारी हैं और शिवराज सिंह चौहान चुनाव प्रभारी हैं लेकिन भाजपा को चुनाव लड़ा रहे हैं चुनाव के सह प्रभारी हिमंत बस्वा सरमा। पार्टी में किसको शामिल किया जाए, किसको नहीं शामिल किया जाए, किसको टिकट दी जाएगी, किसको कहां चुनाव लड़ाने की जिम्मेदारी दी जाएगी, यह सब वे तय कर रहे हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन को भाजपा में शामिल कराया है। अब कोल्हान की 15 सीटों पर चम्पई भाजपा को चुनाव लड़ाएंगे, जबकि उस इलाके में अर्जुन मुंडा जैसा बड़ा नेता भाजपा के पास पहले से है। कुछ दिन पहले ही मधु कोड़ा और उनकी पत्नी गीता कोड़ा भी भाजपा में शामिल हुए। ये दोनों भी कोल्हान इलाके के ही नेता हैं। प्रदेश भाजपा के सारे नेता हिमंत बिस्व सरमा के मोहताज हैं। सोचें, वे महज आठ नौ साल पहले कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए थे। अभी वे असम के मुख्यमंत्री हैं और पार्टी में अघोषित रूप से नंबर तीन की हैसियत उनकी बन गई है।

महाराष्ट्र का चुनाव सबसे ज्यादा उलझा हुआ है। पांच साल सरकार चलाने के बाद देवेंद्र फड़नवीस प्रदेश की राजनीति में और भाजपा के अंदर भी सबसे मजबूत चेहरे के तौर पर उभरे थे। लेकिन पता नहीं किस राजनीति के तहत उनको पूरी तरह से खत्म कर दिया गया। उनकी सरकार में मंत्री रहे एकनाथ शिंदे को शिव सेना से लाकर मुख्यमंत्री बनाया गया और उनको शिंदे की सरकार में उप मुख्यमंत्री बनने को मजबूर किया गया। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिन अजित पवार के ऊपर 70 हजार करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया था उनको भी एनडीए में शामिल किया गया और उप मुख्यमंत्री बनाया गया। लेकिन लोकसभा चुनाव में अजित पवार की पोल खुल गई। पहले तो भाजपा को लग रहा था कि शिंदे शिव सैनिकों के वोट दिला देंगे और अजित पवार मराठा वोट ला देंगे लेकिन लोकसभा चुनाव में सबको साथ मिला कर एनडीए 48 में से सिर्फ 17 सीट जीत पाया, जहां पिछली बार 41 सीटें मिली थीं। इसी अनुपात में अगर विधानसभा में नुकसान हुआ तो पूरा एनडीए एक सौ सीट तक नहीं पहुंच पाएगा। कुल मिला कर स्थिति यह है कि देवेंद्र फड़नवीस हाशिए में हैं और एकनाथ शिंदे व अजित पवार से कोई उम्मीद नहीं है। क्या अमित शाह और भूपेंद्र यादव मिल कर चुनाव लड़ाएंगे?

आज का राशिफल

मेष राशि

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज किसी दोस्त से बात–बात में ही आपको कोई अच्छा काम मिल सकता है। इससे आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी। आपके व्यवहार से लोग प्रभावित हो सकते हैं।

वृष राशि

आज का दिन फेबरेबल रहेगा। आपके जीवन में नयी–नयी खुशियां आयेंगी। जो बच्चे घर से दूर रहकर किसी कॉम्पिटिशन की तैयारी कर रहे हैं, उनका दिन बेहतर गुजरेगा। आपको शिक्षकों का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशि

आज आपका दिन शुभ रहेगा। मित्रों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर बनेंगे। घर में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करवा सकते हैं। संतान को करियर में कोई बड़ी सफलता मिल सकती है। आपको किसी काम से अच्छा लाभ मिलेगा।

कर्क राशि

आज आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा। आपको उचित समय की पहचान करनी होगी। सही समय पर किया कार्य आपको सफलता दिला सकता है। परिवार में स्थिति ठीक बनी रहेगी।

सिंह राशि

आज आपका दिन मिला–जुला रहेगा। आपको अपने हर काम को तय समय में बांटकर करने की जरूरत है। अन्यथा आपके बहुत से काम अधूरे रह सकते हैं।

कन्या राशि

आज आपका दिन बहुत ही उत्तम रहेगा। आज आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। आपको किसी बड़ी कंपनी से जॉब का बुलावा आ सकता है। आप सबको अपनी बातों से इम्प्रेस करने में सफल रहेंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं,

तुला राशि

आज आपका दिन पहले से थोड़ा बेहतर हो सकता है। कार्यक्षेत्र में नई संभावनाओं को तलाश करने की कोशिश करेंगे। किसी काम के लिए कई दिनों से की जा रही मेहनत का फल आपको मिल सकता है।

वृश्चिक राशि

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। जीवनसाथी के सहयोग से आपको जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता मिल सकता है। आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। किसी काम की नये सिरे से शुरुआत कर सकते हैं। आपके मन में नये–नये विचार आयेंगे।

धनु राशि

आज आपका दिन शानदार रहेगा। कोई पुरानी बिजनेस डील आपको अचानक लाभ दिलवा सकती है। आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा। आपको समाज के कुछ अच्छे लोगों से जुड़ने का मौका मिलेगा। आप किसी सरकारी संस्था के काम में अपना सहयोग दे सकते हैं।

मकर राशि

आज आपका दिन उत्तम बना रहेगा। अगर आप कोई बड़ी बिजनेस डील करने जा रहे हैं, तो आपको बहुत ही सोच–समझकर फैसले करने की जरूरत है। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद जरूर लेनी चाहिए। आज आपको किसी सरकारी काम को पूरा करने में कुछ समय लग सकता है।

कुंभ राशि

आज आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज के दिन आप जो भी काम शुरु करेंगे, उसमें सफल जरूर रहेंगे। दोस्तों के साथ आज कहीं घूमने जाने का अवसर आपको मिलेगा। विदेश से नौकरी के लिए आपको कोई अच्छा ऑफर मिल सकता है।

मीन राशि

आज आपको जीवन में कुछ खास मौके मिल सकते हैं। आपको किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है, जो आपके काम की नई शुरुआत में आपकी मदद करेगा। आर्थिक स्तर पर आप मजबूत बने रहेंगे। आपकी कोई व्यवसायिक परियोजना पूरी हो सकती है।

आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे। जो लोग लोहे के व्यापार से जुड़े हैं, उनका काम आज अच्छा रहेगा। आज आप किसी फंक्शन में जाने के लिए तैयारी कर सकते हैं। घर के कामों में पिता की मदद से आपके सारे कार्य आसानी से पूरे हो जायेंगे।

सिर्फ बजट बढ़ाकर नहीं सुधारी जा सकती देश की शिक्षा–व्यवस्था, कई अन्य कारक भी जरूरी – प्रोफेसर

हम सभी को पता है कि अगर हमें विकसित देश बनना है तो शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी क्रांति करनी होगी। किसी भी देश के विकास में शिक्षा का बड़ा योगदान रहता है। अगर कोई सरकार शिक्षा में निवेश करती है तो देश का भविष्य मजबूत होता है। भारत दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। हम लगातार विकसित भारत की बात कर रहे हैं। उस दिशा में तेजी से बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हम सभी को पता है कि अगर हमें विकसित देश बनना है तो शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी क्रांति करनी होगी। किसी भी देश के विकास में शिक्षा का बड़ा योगदान रहता है। अगर कोई सरकार शिक्षा में निवेश करती है तो देश का भविष्य मजबूत होता है। भारत दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। हालांकि शिक्षा के बजट को देखें तो अभी भी सकल घरेलू उत्पाद के 6: आवंटन को हासिल करने में यह काफी संघर्ष करता हुआ दिखाई दे रहा है। तमाम कोशिशें के बावजूद भी 4.6: के आसपास है। पिछले 10 साल की बात करें तो शिक्षा के बजट में लगातार वृद्धि हुई है। लेकिन जिस अनुपात में होना चाहिए वैसा नहीं हुआ है। केंद्र ने 2024–25 के लिए शिक्षा मंत्रालय को 1.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए हैं, जबकि पिछले वित्त वर्ष में संशोधित अनुमान 1.29 लाख करोड़ रुपये से अधिक था। उच्च शिक्षा नियामक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के लिए अनुदान 60 प्रतिशत से अधिक घटा दिया गया है। इसका हमारी शिक्षा व्यवस्था पर क्या असर पड़ता है? विश्वविद्यालय वित्तीय संसाधनों को कैसे मैनेज करते हैं? इसी को हमने जानने की कोशिश की है। हमने बातचीत की है प्रोफेसर रविंद्र गुप्ता से जो कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के पीजीडीएवी कॉलेज (सांध्य) के प्राचार्य हैं।जवाब – वास्तव में देश में बजट की चर्चा होना स्वाभाविक है। जिससे आम लोगों को भी पता चल सके की किस क्षेत्र में सरकार ने कितना पैसा खर्च किया है। प्रोफेसर गुप्ता के मुताबिक सिर्फ बजट ही एकमात्र साधन नहीं है, जिससे शिक्षा की उत्कृष्ट और गुणवत्ता की जांच की जा सके। उन्होंने बताया कि सिर्फ पैसे और सुख–सुविधा देने से ही शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ नहीं की जा सकती है। भले ही यह एक बहुत बड़ा फैक्टर है, लेकिन इसके अलावा भी कई अन्य चीजें भी शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित करती हैं। इसके साथ ही हमें बजट उपयोग करने वाले तंत्र पर अधिक ध्यान रखना चाहिए। जिससे स्पष्ट हो सके कि बजट का कितना सदुपयोग और दुरुपयोग हो रहा है। उनके अनुसार, सरकारें भी इस निगरानी करने की दिशा में पिछले कुछ समय से अपने कदम बढ़ा रही हैं। उन्होंने बताया कि भले ही सरकार ने शिक्षा के लिए बजट में कुछ कमी की है लेकिन जरूरत पड़ने पर सरकार अगले बजट में इस धन को बढा भी सकती है।जवाब – फीस की वृद्धि का अध्ययन करने के साथ–साथ हमें यह भी देखना चाहिए कि शुल्क में कितने समय बाद और कुल कितनी बढ़ोत्तरी हुई है। सरकारी संस्थानों में मिलने वाली तमाम सुख–सुविधाओं का कुछ हिस्सा छात्रों से वसूलना कहीं से भी गैरबाजिब नहीं है। इसके अलावा भी बढ़ती हुई महंगाई को लेकर सरकारों को इस तरह के कुछ जरूरी निर्णय लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है। प्रोफेसर गुप्ता के मुताबिक, फीस बढ़ोत्तरी के बावजूद भी सरकार अति पिछड़े और गरीब वर्ग के विद्यार्थियों के लिए हमेशा ही साथ खड़ी रहती है। जिससे उन पर किसी भी प्रकार का आर्थिक बोझ ना पड़े। जवाब – नहीं इस प्रकार के सवाल का कोई भी औचित्य नहीं है, क्योंकि वर्तमान समय में भी यूजीसी से हमें एक निश्चित अनुदान लगातार प्राप्त हो रहा है। जो पैसा अब यूजीसी की तरफ से ना आकर सीधा भारतीय रिजर्व बैंक से हमें मिलता है। जिसके लिए सिफारिस यूजीसी ही करता है। इसके अलावा संस्थान को ऋण लेने की भी आवश्यकता नहीं पड़ती है। बल्कि संस्थान में विकास कार्यों के लिए हमें यह अनुदान राशि के रूप में ही बजट प्राप्त होता है। जिसमें से सिर्फ प्राप्त बजट का एक बहुत ही छोटा सा हिस्सा हमें 10 से 15 सालों के बीच किस्त के रूप में सरकार को वापस लौटाना पड़ता है।प्रश्न – सरकार ने 2019 में 50 नए उत्कृष्ट संस्थान बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया था, लेकिन वर्तमान में सिर्फ 20 संस्थान ही बन सके हैं। इस योजना में सरकार को कहां समस्या आ रही है ? जवाब – इस दौरान कोविड बीच में आने के बाद भी सरकार निरंतर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। चूँकि संस्थान को बेहतर बनाने का जिम्मा उसके शिक्षकों और विद्यार्थियों पर होता है। इसलिए सरकार उस दिशा में आगे बढ़ रही है। केंद्र सरकार चाहती है कि उन संस्थानों में सबसे पहले शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच बेहतर तालमेल और आपसी सामंजस्य स्थापित किया जाए। जिससे संस्थान स्वतः ही उच्च श्रेणी में अपना स्थान बना लेगा। इसके अलावा भी संस्थान को उत्कृष्ट बनाने के लिए सरकार ने जो भी पैरामीटर तय किए हैं, उन पर आगे बढ़ाने का काम हमारे अध्यापकों का ही है। प्रोफेसर रविंद्र गुप्ता के मुताबिक, इसमें भी बजट सिर्फ एक कारण नहीं है। जवाब – इसका प्रमुख कारण है कि अभी अधिकांश विद्यार्थी हायर एजुकेशन की तरफ नहीं जा रहे हैं। जहां फिलहाल 100 विद्यार्थी शोध में होने चाहिए थे, वहां इस समय सिर्फ 27 से 28 विद्यार्थी ही हैं। इसलिए सरकार बजट को स्कूल और स्नातक स्तर पर अधिक खर्च करके उन विद्यार्थियों को शोध की तरफ लाने पर विचार कर रही है। इस कटौती का उपयोग सरकार स्कूल में ड्रॉप आउट कम करने पर भी इस्तेमाल कर रही है। जिससे विद्यार्थी छोटी कक्षाओं में कम–से–कम विद्यालय छोड़ें। उत्तर – सरकार गरीब और पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के लिए कई प्रकार की छात्रवृत्ति योजनाओं के माध्यम से उनतक पैसा पहुंचाती है। जिससे पहले उनके द्वारा जमा की हुई फीस छात्रवृत्ति आने के बाद उनको वापस कर दी जाती है। इसके अलावा भी संस्थान अपने निजी स्तर पर भी उन गरीब छात्र–छात्राओं के लिए विशेष प्रावधान भी करते हैं।प्रश्न – 140 करोड़ की आबादी वाले देश में शिक्षा व्यवस्था को लेकर कई मोर्चों पर सरकार के सामने विभिन्न प्रकार की समस्याएं हैं। इन सबको लेकर सरकार किस प्रकार की और नई योजनाएं बना सकती है ? जवाब – किसी भी देश की सरकार को उसे आगे बढ़ाने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा और स्वास्थ्य पर निश्चित रूप से विशेष ध्यान देना चाहिए। वैसे सबसे महत्वपूर्ण घटक शिक्षा की है। इसमें किसी विदेशी मॉडल के अध्ययन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि अपने आसपास की शिक्षा से जुड़ी समस्याओं को देखकर ही हम व्यवस्थाओं को और भी बेहतर बना सकते हैं।

प्रश्न – क्या नई शिक्षा नीति को सरकार सही ढंग से लागू करवा पा रही है ? उत्तर – 2020 में आयी नई शिक्षा नीति पूरी तरह से भारत की शिक्षा व्यवस्था से संबंधित नीति है। इसके पहले भी पूर्ववर्ती सरकारों ने शिक्षा नीतियां बनाई हैं। जिससे धीरे–धीरे ही सही लेकिन शिक्षा के स्तर में सुधार जरूर हुआ है, लेकिन 2020 की इस शिक्षा नीति में विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने पर विशेष जोर दिया गया है। जो भविष्य में एक बहुत ही बेहतर फैसला साबित होगा। 2020 की यह शिक्षा नीति अंग्रेजी मानसिकता से भी देश के भविष्य को दूर लेकर जाएगी। जो छात्रों को नौकरी ढूंढने की बजाय नौकरी देने पर विशेष बोल देगी। हालांकि,

आरजी अस्पताल में तैनात सीआईएसएफ कर्मियों को सहयोग नहीं कर रही ममता सरकार, सुप्रीम कोर्ट पहुंची केंद्र सरकार

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोलकाता के एक अस्पताल में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों की तैनाती को अनिवार्य करने वाले पिछले अदालत के आदेश का पश्चिम बंगाल में अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया गया है। सरकार ने चेतावनी दी है कि अनुपालन में विफलता के परिणामस्वरूप अदालती कार्यवाही की अवमानना हो सकती है। केंद्र ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों की तैनाती के संबंध में सुप्रीम कोर्ट में आवेदन दायर किया है और कहा है कि आवास, सुरक्षा उपकरणों की अनुपलब्धता और कमी के कारण ड्यूटी कर्मियों को ड्यूटी करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में अपने आवेदन में पश्चिम बंगाल को सीआईएसएफ को पूर्ण सहयोग देने और 20 अगस्त के आदेश का अक्षरशरू पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने या जानबूझकर गैर–अनुपालन के लिए अवमानना ध्द्धकार्यवाही का सामना करने का निर्देश देने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट ने 20 अगस्त को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया, जहां 31 वर्षीय रेजिडेंट डॉक्टर की हत्या और बलात्कार के कारण देश भर में आक्रोश और विरोध प्रदर्शन हुआ। अदालत ने मामले का स्वतरू संज्ञान लिया, भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली तीन–न्यायाधीशों की पीठ द्वारा सुनवाई के दौरान जांच पर स्थिति रिपोर्ट मांगते हुए कई निर्देश जारी किए। अदालत ने डॉक्टरों से काम पर लौटने का भी आग्रह किया था।

और कांग्रेस के बीच बातचीत की तैयारी, 20 सीटों पर केजरीवाल की पार्टी की दावेदारी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच गठबंधन के इच्छुक हैं। सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी ने पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक के दौरान आप के साथ गठबंधन की संभावना पर हरियाणा कांग्रेस के नेताओं की राय मांगी। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी अपनी तैयारी में जुटे हुए हैं। इन सबके बीच आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच हरियाणा में गठबंधन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई है। वहीं दावा किया जा रहा है कि गठबंधन को लेकर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा और कांग्रेस महासचिव के केसी वेणुगोपाल के बीच मुलाकात हो सकती है। वही, आम आदमी पार्टी 20 सीटों से कम पर करने को तैयार नहीं है। सूत्रों का कहना है कि आम आदमी पार्टी 90 में से 20 सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा ठोक सकती है। फिलहाल आप पूरे के पूरे 90 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। जब आप हरियाणा अध्यक्ष सुशील गुप्ता से हरियाणा में कांग्रेस के साथ गठबंधन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ये फैसला आलाकमान लेगा। उन्होंने कहा कि गठबंधन हाईकमान का मामला है, अगर हाईकमान कहेगा तो मैं अपनी बात उनके सामने रखूंगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मेरा स्पष्ट मानना ध्द्धहै कि आम आदमी पार्टी को 4–5 सीटों (गठबंधन में) पर सहमत नहीं होना चाहिए। हमारा फोकस सभी 90 सीटों पर है। लेकिन एक अनुशासित सिपाही होने के नाते हमारा राष्ट्रीय नेतृत्व जो फैसला लेगा, हम उसे स्वीकार करेंगे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच गठबंधन के इच्छुक हैं। सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी ने पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक के दौरान आप के साथ गठबंधन की संभावना पर हरियाणा कांग्रेस के नेताओं की राय मांगी। आपको बता दें कि कांग्रेस और आप ने हरियाणा, गुजरात, गोवा, दिल्ली और चंडीगढ़ में मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ा था। हालांकि, दिल्ली और हरियाणा में आप ने अपने दम पर अकेले चुनाव लड़ने ला ऐलान कर दिया। हालांकि, राहुल गांधी के सुझाव का आप ने स्वागत किया है। आप सांसद संजय सिंह ने इसको लेकर कहा कि हम इसका स्वागत करते हैं। हमारी प्राथमिकता बीजेपी को हराना है। उन्होंने कहा कि हमारे हरियाणा प्रभारी संदीप पाठक और सुशील गुप्ता इस पर चर्चा करेंगे और अंतिम निर्णय लेंगे और इसके बारे में अरविंद केजरीवाल को सूचित करेंगे और उसके अनुसार निर्णय लिया जाएगा। पिछले महीने, वरिष्ठ कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा ने ने हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए आप के साथ गठबंधन की संभावना से इनकार कर दिया था और कहा था कि उनकी पार्टी राज्य में एक मजबूत खिलाड़ी है, और अकेले चुनाव लड़ेगी।

मेकेदातु बांध परियोजना से तमिलनाडु को होगा फायदा, डीके शिवकुमार ने सवालों पर दिया जवाब

मेकेदातु संतुलन जलाशय से तमिलनाडु को अधिक लाभ होगा। उन्होंने कहा कि लेकिन मैं अब मेकेदातु बांध मुद्दे पर चर्चा नहीं करना चाहता। बारिश के देवता ने दोनों राज्यों की मदद की है।कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया कि तमिलनाडु को कर्नाटक में मेकेदातु बांध परियोजना से काफी फायदा होगा, खासकर इस सीजन में अनुकूल मानसून को देखते हुए। प्रचुर वर्षा के कारण कावेरी नदी में पर्याप्त जलप्रवाह हुआ है, जिससे कर्नाटक ने तमिलनाडु को अधिशेष पानी छोड़ा है। तमिलनाडु के बांध के विरोध के बारे में सवाल किया गया, तो शिवकुमार ने कहा कि मेकेदातु संतुलन जलाशय से कर्नाटक की तुलना में तमिलनाडु को अधिक लाभ होगा। हालाँकि, उन्होंने इस विवाद में गहराई से न जाने का फैसला किया और आशा व्यक्त की कि तमिलनाडु में अच्छी भावना कायम रहेगी।मेकेदातु संतुलन जलाशय से तमिलनाडु को अधिक लाभ होगा। उन्होंने कहा कि लेकिन मैं अब मेकेदातु बांध मुद्दे पर चर्चा नहीं करना चाहता। बारिश के देवता ने दोनों राज्यों की मदद की है। (मुझे उम्मीद है) तमिलनाडु के लोगों को अच्छी समझ आएगी। मेकेदातु बांध से कर्नाटक की तुलना में तमिलनाडु को अधिक फायदा होगा। शिवकुमार ने 15 से अधिक अधिकारियों की एक टीम के साथ, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं का अध्ययन करने के लिए चेन्नई का दौरा किया। उन्होंने शहर के दृष्टिकोण की सराहना की, विशेष रूप से पर्यावरण–अनुकूल ऊर्जा स्रोत के रूप में बायोगैस के अभिनव उपयोग की। टीम ने इसके परिचालन मॉडल को समझने और यह पता लगाने के लिए कि इसी तरह की प्रथाएं बेंगलुरु की अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को कैसे बढ़ा सकती हैं।उन्होंने श्रीनिवास सॉलिड वेस्ट का दौरा करने के बाद संवाददाताओं से कहा, ष्मैं चेन्नई में सफाई सुविधा से बहुत प्रभावित हूं। मैंने सरकार और पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने एक अलग दृष्टिकोण अपनाया है। यह दौरा हम सभी के लिए सीखने की एक अच्छी प्रक्रिया थी।

ज्यादा व्यूज तो सरकार देगी बंपर इनाम, इस राज्य में गृह लक्ष्मी योजना पर सरकार ने लिया बड़ा फैसला

राज्य सरकार ने घरों की महिला प्रमुखों से सकारात्मक प्रभाव को उजागर करते हुए यूट्यूब, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर रील बनाने और साझा करने का आग्रह किया।

कर्नाटक की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने गृह लक्ष्मी योजना के लाभार्थियों के लिए एक रोमांचक नई इनाम योजना शुरू की है। उन्होंने योजना के लाभार्थियों से इसके बारे में रील बनाने और उन्हें सोशल मीडिया पर अपलोड करने का आग्रह किया है और वादा किया है कि ऐसा करने पर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। कर्नाटक सरकार की मुख्य गारंटी, गृह लक्ष्मी योजना के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर, राज्य सरकार ने घरों की महिला प्रमुखों से सकारात्मक प्रभाव को उजागर करते हुए यूट्यूब, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर रील बनाने और साझा करने का आग्रह किया। मंत्री हेब्बलकर ने घोषणा की कि सबसे अधिक व्यूज वाली रीलों को सीधे उनसे विशेष इनाम मिलेगा। प्रतियोगिता सभी लाभार्थियों के लिए खुली है और 30 सितंबर तक चलेगी। कर्नाटक सरकार ने सभी गृह लक्ष्मी लाभार्थियों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है, और अधिक रील साझा करने वालों को आकर्षक पुरस्कार की पेशकश की है। इस पहल का उद्देश्य समुदाय को शामिल करना और गृह लक्ष्मी योजना की सफलताओं को बढ़ावा देना है, जो कर्नाटक में परिवारों की महिला मुखियाओं को 2000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। यह योजना मई में हुए 2023 कर्नाटक विधानसभा चुनावों में कांग्रेस द्वारा किए गए पांच चुनावी वादों में से एक थी।

राम माधव सम्पर्क में हैं, उमर अब्दुल्ला के आरोप पर बोलीं महबूबा मुफ्ती, भाजपा के साथ गठबंधन अब संभव नहीं

पीडीपी प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी एक एजेंडे के लिए चुनाव लड़ना चाहती है, लेकिन उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी के बिना कोई भी सरकार बनाना संभव नहीं होगा।पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को जम्मू–कश्मीर में भाजपा के साथ किसी भी तरह के गठबंधन से इनकार किया। साथ ही साथ इस बात पर जोर दिया कि विधानसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी को शामिल किए बिना सरकार बनाना संभव नहीं होगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) पर निशाना साधते हुए उन्होंने दावा किया कि पार्टी सिर्फ सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ना चाहती है। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे 1947 से ऐसा कर रहे हैं। इसके अलावा उनका कोई लक्ष्य नहीं है। वे सिर्फ सरकार बनाने, मंत्री पद पाने के लिए गठबंधन बनाते हैं।पीडीपी प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी एक एजेंडे के लिए चुनाव लड़ना चाहती है, लेकिन उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी के बिना कोई भी सरकार बनाना संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हमने (2002 में) केवल 16 विधायकों के साथ सरकार बनाई थी। भगवान की इच्छा है कि इस बार भी पीडीपी को शामिल किए बिना कोई सरकार नहीं बनेगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि पीडीपी का ध्यान अपने एजेंडे को लागू करने पर ज्यादा है और सरकार बनाने पर कम। महबूबा, जिनकी पार्टी ने 2015 में भाजपा के साथ गठबंधन सरकार बनाई थी, ने चुनाव के बाद भगवा पार्टी के साथ गठबंधन से इनकार कर दिया। पार्टी ने कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए बीजेपी से हाथ मिलाया था. उन्होंने कहा कि आज इसकी कोई गुंजाइश नहीं दिखती क्योंकि भाजपा ने उस दिशा में सभी प्रयासों पर पानी फेर दिया है।

पीएम मोदी के दौरे पर कांग्रेस का तंज, मणिपुर का मानवीय दौरा कब करेंगे ?

कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि गैर–जैविक प्रधान मंत्री ब्रुनेई की ऐतिहासिक यात्रा के रूप में प्रचारित कर रहे हैं, जिसके बाद वह सिंगापुर जाएंगे। हमारा फ्रीक्वेंट फ्लायर अशांत राज्य मणिपुर का श्मानवीयश दौरा कब करने जा रहा है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ब्रुनेई और सिंगापुर की यात्रा पर निकलने पर कांग्रेस ने मंगलवार को उन पर निशाना साधते हुए पूछा कि ष्हमारा फरीक्वेंट फ्लायरष अशांत राज्य मणिपुर का श्मानवीयश दौरा कब करेगा। प्रधानमंत्री मोदी सभी मौजूदा क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के लिए सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया के निमंत्रण पर 3–4 सितंबर को ब्रुनेई का दौरा कर रहे हैं। वह अपने सिंगापुर के समकक्ष लॉरेंस वोंग के निमंत्रण पर 4–5 सितंबर को सिंगापुर की यात्रा पर जाने वाले हैं। इसे भी पढ़ेंरू ब्ंजम ब्मदेने पर ै के बयान पर भड़की कांग्रेस, जयराम रमेश बोले– जाति जनगणना की इजाजत देने वाला संघ कौन

कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि गैर–जैविक प्रधान मंत्री ब्रुनेई की श्ऐतिहासिकश यात्रा के रूप में प्रचारित कर रहे हैं, जिसके बाद वह सिंगापुर जाएंगे। हमारा फ्रीक्वेंट फ्लायर अशांत राज्य मणिपुर का श्मानवीयश दौरा कब करने जा रहा है? उन्होंने कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के विपरीत दावों के बावजूद मणिपुर में स्थिति बहुत तनावपूर्ण बनी हुई है। उन्होंने लिखा कि आज मणिपुर में भड़की हिंसा को ठीक 16 महीने हो गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और हजारों लोग विस्थापित हो गए, जो राहत शिविरों में बेहद खराब स्थिति में रह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह विश्वास से परे है कि नरेंद्र मोदी को अभी भी राज्य में जाने और राजनीतिक दलों, नागरिक समाज समूहों और स्वयं लोगों के साथ बातचीत करने का समय या झुकाव नहीं मिला है। रमेश ने एक मीडिया रिपोर्ट भी टैग की जिसमें मैतेई और कुकी–जोमी समुदायों के बीच अंतर को पाटने के लिए बीरेन सिंह द्वारा नियुक्त एक दूत के हवाले से कहा गया था कि बातचीत के लिए अनुकूल माहौल में हिंसा के बीच मध्यस्थता करना मुश्किल था। कांग्रेस ने शुक्रवार को इस बात पर आश्चर्य जताया था कि प्रधानमंत्री मोदी हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा करके शांतिदूत क्यों नहीं बन सकते, जबकि वह इस भूमिका को निभाने के लिए ष्पूरी दुनियाष में जा रहे हैं।

अब भारत बनाम बांग्लादेश के बीच टक्कर, कप्तान नजमुल शंटो ने रोहित शर्मा को चेताया, जानें क्या कहा ?

अब 19 सितंबर से बांग्लादेश को भारत में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है और बांग्लादेश के कप्तान नजमुल शंटो को उम्मीद है कि उनकी टीम भारत में दमदार प्रदर्शन करेगी। शंटो ने कहा कि, अगली सीरीज हमारे लिए बहुत ज्यादा अहम है। इस जीत से हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। पाकिस्तान को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 2–0 से रौंदने के बाद बांग्लादेश टीम का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। अब 19 सितंबर से बांग्लादेश को भारत में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है और बांग्लादेश के कप्तान नजमुल शंटो को उम्मीद है कि उनकी टीम भारत में दमदार प्रदर्शन करेगी। ंग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 10 विकेट से अपने नाम किया था। दूसरा टेस्ट मैच 6 विकेट से जीत लिया। रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम पर खेले गए दोनों मैच में पाकिस्तान ने क्रिकेट के तीनों डिपार्टमेंट में बांग्लादेश से बेकार

प्रदर्शन किया और इसका असर सीरीज के रिजल्ट पर भी साफ नजर आया। पाकिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीतने के बाद पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में नजमुल ने कहा कि, ये जीत हमारे लिए बहुत मायने रखती है, जिससे शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। सच में बहुत खुश हूं। हम यहां जीत की तलाश में थे, और इस बात से बहुत खुश हूं कि सबने अपनी जिम्मेदारी को पूरी तरह से निभायाशंटो ने आगे कहा कि, हमारे पेसर्स का वर्क एथिक्स बेहतरा था यही वजह है कि हमें ऐसा रिजल्ट मिला। हर कोई खुद से ईमानदार था और सबको जीत चाहिए थी। भारत के खिलाफ सीरीज को लेकर शंटो ने कहा कि, अगली सीरीज हमारे लिए बहुत ज्यादा अहम है। इस जीत से हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। मुशफिकुर रहीम और शाकिब अल हसन को काफी ज्यादा अनुभव है, भारत में ये दोनों बहुत अहम होंगे। मेहंदी हसन मिराज ने जिस तरह से गेंदबाजी की और पांच विकेट चटकाए वह काफी ज्यादा इम्प्रेसिव था। उम्मीद है कि भारत के खिलाफ भी ऐसा करेगा।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में भी दी मात टेस्ट सिरीज में कर डाला सूपड़ा साफ

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेला गया, जिसे बांग्लादेश टीम ने 2–0 से जीत लिया। इस मुकाबले में नजमुल हुसैन शांतो की कप्तानी में बांग्लादेश ने इतिहास रच दिया। बता दें कि, बांग्लादेश ने पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीती है। बांग्लादेश की इस ऐतिहासिक जीत में मेहंदी हसन मेराज, लिटन दास, हसन महमूद और नाहिद राणा का अहम रोल रहा।

रावलपिंडी में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेला गया, जिसे बांग्लादेश टीम ने 2–0 से जीत लिया। इस मुकाबले में नजमुल हुसैन शांतो की कप्तानी में बांग्लादेश ने इतिहास रच दिया। बता दें कि, बांग्लादेश ने पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीती है। बांग्लादेश की इस ऐतिहासिक जीत में मेहंदी हसन मेराज, लिटन दास, हसन महमूद और नाहिद राणा का अहम रोल रहा। टेस्ट सीरीज में हार से बचने के लिए पाकिस्तान को हर हाल में दूसरा

टेस्ट अपने नाम करना था लेकिन शान मसूद की टीम ऐसा करने में नाकामयाब रही। दूसरे टेस्ट का पहला दिन बारिश की भेंट चढ़ गया इसके बाद दूसरे दिन पाकिस्तानी बल्लेबाज फ्लॉप साबित हुए और पहली ही पारी में टीम 274 रन ही बना सकी। इसके बाद पहली पारी में बांग्लादेश की शुरुआत बेहद खराब रही। महज 26 रन के स्कोर पर टीम के 6 विकेट गिर गए। लेकिन इसके बाद लिटन दास ने 138 और गेंदबाजी में 5 विकेट लेने वाले मेहंदी हसन मेराज ने बेहतरीन वापसी करते हुए 78 रनों की पारी खेली और कमाल कर दिया। बांग्लादेशी टीम ने 26६ 6 से स्कोर को 262 तक पहुंचा दिया। वहीं दूसरे दिन पाकिस्तानी बल्लेबाज फुस्स रहे, अब्दुल्लाह शफीक, बाबर आजम, शान मसूद और सऊद शकील सभी फ्लॉप रहे। पूरी टीम महज 172 रनों पर सिमट गई। पहली पारी में 12 रनों की बढ़त के आधार पर पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 185 रन का टारगेट दिया। चौथे दिन जाकिर हसन और शादमान इस्लाम ने बांग्लादेश को तूफानी शुरूआत दिलाई, लेकिन बारिश और खराब मौसम बांग्लादेश की जीत में रोड़ा बन गया। अब पांचवें दिन इतिहास रचने के लिए बांग्लादेश को 143 रन और बनाने थे। पिच गेंदबाजों के लिए मददगार हो गई थी। लेकिन बांग्लादेश ने गजब का जज्बा दिखाया और सिर्फ चार विकेट खोकर लक्ष्य का पीछा कर लिया।

बांग्लादेश के लिए दूसरी पारी में जाकिर हसन ने 40 रन, शादमान इस्लाम ने 24, कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 38 और मोमिनुल हक ने 34 रन बनाए, अंत में शाकिब अल हसन 21 और मुशफिकुर रहीम 22 रन बनाकर नाबाद लौटे।

वर्ल्ड रिकार्ड बनने पर आयुष बडोनी को नहीं था यकीन, 19 छक्के ठोकने के बाद किया खुलासा

19 छक्के लगाने वाले साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के कप्तान आयुष बडोनी का मानना घ्छ्है कि दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) मैच में अपनी शानदार टाइमिंग के दम पर वह 55 गेंद में 165 रन की रिकॉर्डतोड़ पारी खेलने में सफल रहे। दायें हाथ के 24 साल के इस खिलाड़ी की ताबड़तोड़ पारी के दम पर साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने शनिवार को खेले गे मैच को 112 रन से जीतकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। उत्तरी दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ रिकार्ड 19 छक्के लगाने वाले साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के कप्तान आयुष बडोनी का मानना घ्छ्है कि दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) मैच में अपनी शानदार टाइमिंग के दम पर वह 55 गेंद में 165 रन की रिकॉर्डतोड़ पारी खेलने में सफल रहे। दायें हाथ के 24 साल के इस खिलाड़ी की ताबड़तोड़ पारी के दम पर साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने शनिवार को खेले गे मैच को 112 रन से जीतकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया।

बडोनी ने इस दौरान सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य (120) के साथ दूसरे विकेट के लिए 286 रन की साझेदारी कर टी20 क्रिकेट का नया रिकॉर्ड बनाया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलने वाले बडोनी ने 19 छक्के जड़े जो टी20 क्रिकेट का नया रिकॉर्ड है। टी20 मैच की किसी पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड इससे पहले संयुक्त रूप से वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम था। दोनों बल्लेबाजों ने एक समान 18 छक्के लगाये थे।बडोनी से 'पीटीआई–वीडियो' से कहा, '' मैं बस गेंद को अच्छी तरह से हिट करने पर ध्यान दे रहा था, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक पारी में 19 छक्के लगाऊंगा। मैं सिर्फ गेंद की टाइमिंग पर ध्यान देता हूं और गेंद को जोर

से मारने की कोशिश नहीं करता।'' इस पारी के बाद आईपीएल की आगामी मेगा नीलामी में बडोनी के लिए कई फ्रेंचाइजी टीमें बोली लगाएंगीं। इस युवा बल्लेबाज ने कहा, '' मैं अभी (आईपीएल) मेगा नीलामी के बारे में नहीं सोच रहा हूं। एक कप्तान के तौर पर मेरा ध्यान फिलहाल डीपीएल जीतने पर है।''उन्होंने कहा, ''आईपीएल में खेलने से यहां (डीपीएल) एक बल्लेबाज के रूप में मेरे लिए काम बहुत आसान हो गया है। हम वहां विश्व स्तरीय गेंदबाजों का सामना करते हैं, और फिर यहां आकर खेलना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है।''लखनऊ सुपरजायंट्स के सहायक कोच जोंटी रोड्स ने बडोनी की तुलना दक्षिण अफ्रीक के पूर्व आक्रामक सलामी बल्लेबाज हर्शल गिब्स से की है। बडोनी ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, ''जोंटी और मेरे बीच बहुत अच्छे रिश्ते हैं। मैं इस तरह से तारीफ किये जाने पर उन्हें धन्यवाद करना चाहता हूं और बस इतना कहना चाहता हूं कि जल्द ही मिलेंगे जोंटीं।

2025 को लेकर आईसीसी ने कर दी घोषणा, जानें कब खेला जाएगा वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2025 ?

वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2025 का फाइनल कब खेला जाएगा इसकी घोषणा आईसीसी ने कर दी है। दरअसल, डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 मुकाबला लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं इसका फाइनल 11 जून 2025 से खेला जाएगा।

आखिरकार वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2025 का फाइनल कब खेला जाएगा इसकी घोषणा आईसीसी ने कर दी है। दरअसल, डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 मुकाबला लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं इसका फाइनल 11 जून 2025 से खेला जाएगा। जबकि इस मुकाबले के लिए आईसीसी ने रिजर्व डे के तौर पर 16 जून का दिन तय किया है। बता दें कि, ये पहली बार होगा जब लॉर्ड्स में वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा। इससे पहले 2021 का फाइनल साउथेम्पटन के द रोज बाउल और 2023 का फाइनल लंद के द ओवल में खेला गया था। जो न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। वहीं भारत को दोनों बार हार झेलनी पड़ी। वहीं ये फाइनल मैच वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2023–2025 साइकल के पूरा होने पर तालिका में टॉप दो टीमों के बीच खेला जाएगा। इसमें रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम पहले और वर्तमान चौंपियन ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। हालांकि, टीमों के पास अभी भी मौका है। न्यूजीलैंड तीसरे, इंग्लैंड चौथे, श्रीलंका पांचवें, दक्षिण अफ्रीका छठे और बांग्लादेश सातवें नंबर पर हैं।

जानें कौन हैं मोहम्मद अमान ? जो 18 साल में बने भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान

उत्तर प्रदेश के मोहम्मद अमान को भारतीय अंडर–19 टीम का कप्तान बनाया गया है, साथ ही राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को भी इस टीम में मौका मिला है। अमान का भारतीय अंडर–19 टीम का कप्तान बनने का सफर संघर्षों भरा रहा है। 16 साल की उम्र में ही उनके माता–पिता का निधन हो गया जिसके बाद उनके तीन छोटे भाई बहनों की जिम्मेदारी उनपर आ गई। बीसीसीआई ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए भारतीय अंडर–19 टीम का ऐलान कर दिया है। जहां उत्तर प्रदेश के मोहम्मद अमान को टीम का कप्तान बनाया गया है, साथ ही राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को भी इस टीम में मौका मिला है। अमान का भारतीय अंडर–19 टीम का कप्तान बनने का सफर संघर्षों भरा रहा है। 16 साल की उम्र में ही उनके माता–पिता का निधन हो गया जिसके बाद उनके तीन छोटे भाई बहनों की जिम्मेदारी उनपर आ गई।

मामले में विराट कोहली के आस–पास भी नहीं, लिस्ट में दिग्गजों को पछाड़ा भी आसान नहीं

मौजूदा समय में टेस्ट क्रिकेट में फैब फोर में विराट कोहली, जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन को शामि किया गया है। अगर इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतकों की बात करें तो इस लिस्ट में रूट 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में शतकों के मामले में भले ही रूट विराट कोहली से आगे चल रहे हों, लेकिन एक मामले में वह विराट कोहली से काफी दूर हैं। हाल ही में जो रूट के नाम टेस्ट में इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा शतक दर्ज हुए हैं। रूट 34 शतक लगा चुके हैं जबकि केन विलियमसन के नाम 32, स्मिथ के नाम 32 और विराट कोहली के नाम 29 टेस्ट शतक दर्ज हैं।

वहीं मौजूदा समय में टेस्ट क्रिकेट में फैब फोर में विराट कोहली, जो रूट, स्टीव स्मिथ और केन विलियमसन को शामि किया गया है। अगर इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतकों की बात करें तो इस लिस्ट में रूट 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में शतकों के मामले में भले ही रूट विराट कोहली से आगे चल रहे हों, लेकिन एक मामले में वह विराट कोहली से काफी दूर हैं। दरअसल, इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 50 शतक बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम दर्ज है। विराट ने 348 पारियों में ये कारनामा किया था, विराट के साथ साउथ अफ्रीका के हाशिम अमला ने भी इतनी ही पारियों में 50 इंटरनेशनल शतकों का आंकड़ा छुआ था। सचिन तेंदुलकर ने 376 पारियों में और रिकी पोंटिंग ने 418 पारियों में ये आंकड़ा छुआ था। वहीं जो रूट की बात करें तो उनकी यहां तक पहुंचने में कुल 455 पारियां लग गईं। इन पांचों के अलावा 50 या इससे ज्यादा इंटरनेशनल शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में कुमार संगकारा, ब्रायन लारा, जैक कालिस और महेला जयवर्धने का नाम दर्ज है।

खड़े होकर पानी पीने के क्या होते हैं नुकसान, क्या वाकई हड्डियां होती हैं कमजोर ?

जब हम खड़े होकर पानी पीते हैं तो इसका असर हमारे पूरे शरीर पर पड़ता है. खड़े होकर गटागट पानी पीने से शरीर की नसें तन जाती है. शरीर के अंदर का लिक्विड सब्स्टेंस का बैलेंस बिगड़ने लगता है. जिसके कारण शरीर में टॉक्सिन्स और बदहजमी होने लगती है. कोई भी व्यक्ति खाना के बिना रह सकता है लेकिन पानी के बिना नहीं रह सकता है.

खड़े होकर पानी पीने से शरीर पर कई तरह के गंभीर असर पड़ते हैं. शरीर में पानी की कमी न हो इसलिए थोड़ी–थोड़ी देर में पानी जरूर पीना चाहिए. लेकिन कई लोग ऐसे हैं जिन्हें पानी पीने का सही तरीका पता ही नहीं है. इसका सेहत पर बुरा असर पड़ता है. जिसके कारण उन्हें स्वास्थ्य संबंधित गंभीर समस्याओं के सामना करना पड़ता है.

खड़े होकर पानी पीने से शरीर को गंभीर नुकसान होते हैं?

खड़े होकर गटागट पानी पीने से शरीर की नसें तन जाती है. जिसके कारण लिक्विड सब्स्टेंस का बैलेंस बिगड़ जाता है. जिसके कारण शरीर में टॉक्सिन्स और बदहजमी होने लगती है. खड़े होकर पानी पीने से शरीर में यूरिक एसिड भी बढ़ने लगता है.

खड़े होकर पानी पीने के 5 गंभीर नुकसान

प्यास न बुझना

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि कभी भी खड़े होकर पानी नहीं पीना चाहिए. ऐसा करने से प्यास नहीं बुझ पाती है और बार–बार पानी पीने का मन करता रहता है. इसलिए जब भी पानी पिएं तो बैठकर ही पिएं.बिगड़ सकती है पाचन क्रिया

पानी पाचन क्रिया दुरुस्त रखने में मदद करता है लेकिन अगर उसे पीने का तरीका सही न हो तो पाचन क्रिया बिगड़ भी सकती है. दरअसल, जब हम खड़े होकर पानी पीते हैं तो वह तेजी से नीचे चला जाता है और पेट के निचले हिस्से में पहुंचकर पाचन क्रिया को नुकसान पहुंचा सकता है.

किडनी की बीमारी

खड़े होकर पानी पीने का असर ओवरऑल हेल्थ पर पड़ता है. हेल्थ एक्सपर्ट्स इसे किडनी

से भी जोड़ते हैं, उनका कहना है कि अगर खड़े होकर पानी पीते हैं तो किडनी की सेहत पर असर पड़ सकता है, इसलिए आराम से बैठकर ध ीरे–धीरे पानी पीना चाहिए.

जोड़ों में दिक्कतें

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि खड़े–खड़े पानी पीने से जोड़ों को नुकसान पहुंच सकता है. इससे अर्थराइटिस यानी गठिया की समस्या हो सकती है. खड़े होकर पानी पीने से नसों में तनाव आ जाता है और शरीर में फ्लूइड बैलेंस बिगड़ सकता है, जिससे जॉइंट पेन हो सकता है.

फेफड़ों में परेशानी

फेफड़ों से जुड़ी किसी भी समस्या का सामना कर रहे हैं तो खड़े होकर पानी गलती से भी न पिएं. जब आप खड़े होकर पानी पीते हैं तो उस वक्त ऑक्सीजन लेवल प्रभावित होता है, जिसका निगेटिव असर फेफड़ों से लेकर हार्ट तक पर पड़ता है.

हार्ट अटैक आने पर जोर–जोर से खांसने से बच सकती है जान, क्या वाकई इसमें है कोई हकीकत ?

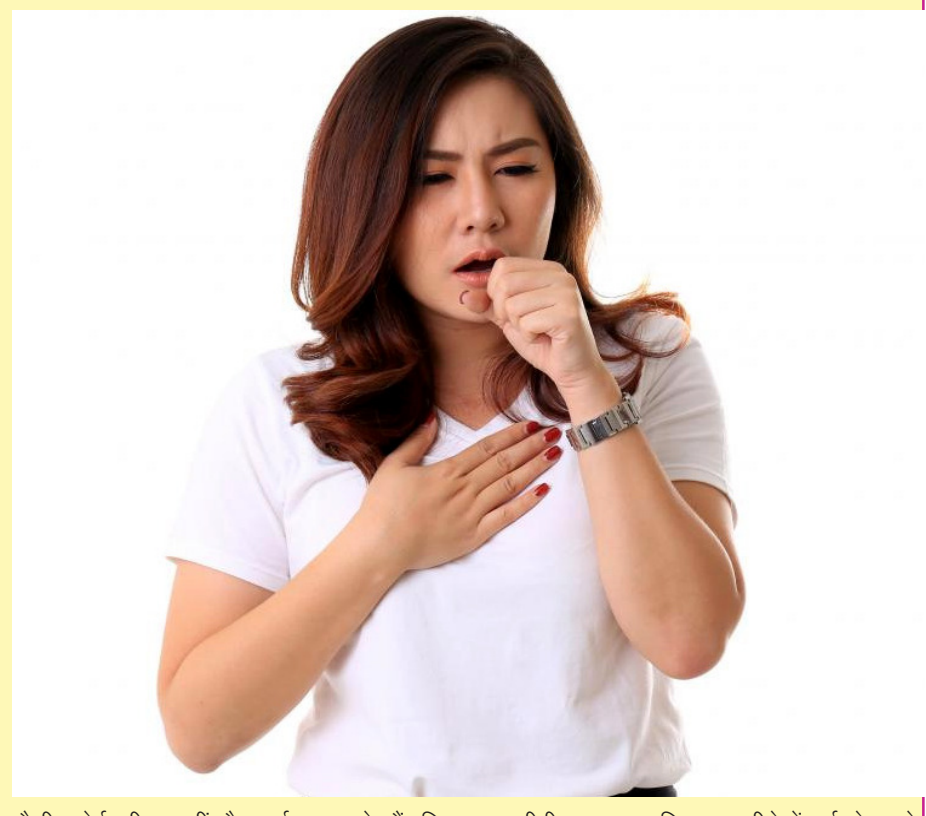

हार्ट अटैक अक्सर जानलेवा साबित होता है. हार्ट अटैक आने पर डॉक्टर मरीज को फर्स्ट एड देने के साथ साथ तुरंत अस्पताल ले जाने की सलाह देते हैं. देखा जाए तो सीपीआर और फर्स्ट एड के जरिए मौके पर मरीज को थोड़ी राहत मिल सकती है लेकिन उसे अस्पताल ले जाना जरूरी हो जाता है. पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रही है जिसमें कहा जा रहा है कि हार्ट अटैक आने पर मरीज जोर जोर से खांस कर अपनी जान बचा सकता है.

इस प्रोसेस को कफ सीपीआर का नाम भी दिया गया है. लेकिन क्या वाकई ऐसा है. अगर ये सच है तो इस संबंध में डॉक्टर क्या कहते हैं. चलिए जानते हैं सोशल मीडिया पर हार्ट अटैक को लेकर किए जा रहे इस दावे की सच्चाई क्या है.

क्या जोर जोर से खांसकर हार्ट अटैक में बच सकती है जान?

बिल्कुल नहीं. ये एक गलत और भ्रामक दावा है. डॉक्टर कहते हैं कि कफ सीपीआर

जैसी कोई चीज नहीं है. हार्ट अटैक के दौरान जोर जोर से खांस कर मरीज की जान नहीं बचाई जा सकती है. ना ही तेजी से सांस लेने से कोई फायदा हो सकता है. डॉक्टर कहते हैं कि कफ सीपीआर जैसी कोई मेडिकल टर्म नहीं है जिसके जरिए मरीज की जान बचाई जा सकती है.

आपको बता दें कि उक्त वायरल पोस्ट में कहा गया था कि अगर सीने में दर्द हो,जबड़े में दर्द फील हो रहा हो तो ये हार्ट अटैक हो सकता है. इस दौरान कोई मदद के लिए मौजूद नहीं है तो व्यक्ति को जोर जोर से खांसना चाहिए और लंबी लंबी

स्त्री 2 ने तोड़ा बाहुबली 2 का तीसरा वीकेंड का रिकार्ड, 500 करोड़ी क्लब में एंट्री करने वाली छठी फिल्म बनी, वर्ल्डवाइड 700 करोड़ के करीब

बॉलीवुड की सबसे कमाऊ हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अपने 18 दिन पूरे कर लिए हैं. फिल्म इन 18 दिनों वर्ल्डवाइड 600 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार पहुंच चुकी है. फिल्म स्त्री 2 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ी क्लब में एंट्री कर ली है. ऐसा करने वाली फिल्म स्त्री 2 छठवी फिल्म बन गई है. वहीं, स्त्री 2 आने वाले दिनों में बाहुबली 2 का रिकॉर्ड तोड़ने जा रही है.

बता दें, स्त्री 2 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 593 करोड़ रुपये का ग्रॉस और 502 करोड़ रुपये नेट कलेक्शन कर लिया है. स्त्री 2 अब 500 करोड़ी क्लब में जवान, एनिमल, पठान, गदर 2 और बाहुबली 2 के बाद छठे नंबर पर आ गई है. स्त्री 2 की 18 दिनों की कमाई 502 करोड़ रुपये हो चुकी है.स्त्री 2 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बाहुबली (421 करोड़ रु.), रजनीकांत की 2.0 (407.05 करोड़ रु.), प्रभास की सालार (406.45 करोड़ रु.), केजीएफ 2– (434 करोड़ रु.) का रिकॉर्ड पहले ही तोड़ दिया है. वहीं, फिल्म अब की नजर बाहुबली 2, गदर 2, पठान, एनिमल और जवान के घरेलू कलेक्शन पर है.

बता दें, स्त्री 2 ने अपने तीसरे वीकेंड की कमाई से बाहुबली 2 के 7 साल से कायम थर्ड वीकेंड की कमाई का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. स्त्री 2 ने अपने तीसरे वीकेंड 45.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर बाहुबली 2 के तीसरे वीकेंड की कमाई 42.55 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड तोड़ दिया है.स्त्री 2 को रिलीज हुए 19 दिन हो गए हैं और फिलहाल फिल्म के 18 दिन का वर्ल्डवाइड कलेक्शन सामने आया है. ये हॉरर–कॉमेडी फिल्म अब दुनिया भर में 700 करोड़ क्लब में शामिल होने के करीब पहुंच गई है. सैकनिल्क की माने तो स्त्री 2 ने अब तक वर्ल्डवाइड

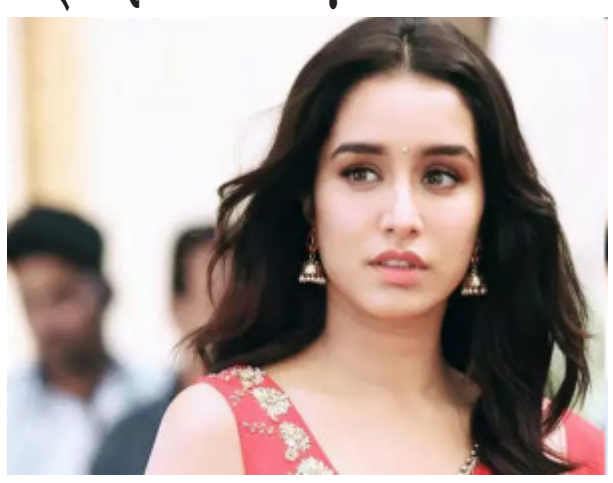

688.25 करोड़ रुपए बटोर लिए हैं.श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर स्त्री 2 ने वर्ल्डवाइड 688.25 करोड़ के कलेक्शन के साथ सनी देओल की गदर 2 को धूल चटा दी है. पिछले साल रिलीज हुई इस फिल्म ने दुनिया भर में 686 करोड़ रुपए की कमाई की थी और ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. रिपोर्ट्स के मुताबिक स्त्री 2 का बजट महज 60 करोड़ रुपए है. ऐसे में फिल्म ने अपने बजट से 11 गुना ज्यादा कमाई कर ली है और ब्लॉकबस्टर फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई है. स्त्री 2 को अमर कौशिक ने डायरेक्ट किया है जिसमें श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव के अलावा, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी अहम रोल में नजर आए हैं.

द डायरी आफ वेस्ट बंगालरू सामाजिक–राजनीतिक अशांति का मार्मिक चित्रण

एक फिल्म की कहानी बांग्लादेश की हिंदू महिला सुहासिनी (अर्शिन मेहता द्वारा अभिनीत) के बारे में है, जो एक नरसंहार में अपने माता–पिता की मौत के बाद भागने के लिए मजबूर है। इस्लामिक उग्रवादी उसे सुंदरबन पार करने में मदद करते हैं, लेकिन उनका एक एजेंडा है।इस्लामिक उग्रवादी उसे इस्लाम में परिवर्तित करना चाहते हैं और पश्चिम बंगाल के आगामी चुनावों में एक राजनीतिक पार्टी के लिए अधिक वोट हासिल करने के लिए उसका उपयोग करना चाहते हैं। आगे जो कुछ होता है वह परेशान करने वाली घटनाओं और उसकी परेशानियों की एक श्रृंखला है।फिल्म के सबसे बेहतरीन पहलुओं में से एक यजुर मारवाह, अर्शिन मेहता और रामेंद्र चक्रवर्ती जैसे अभिनेताओं का असाधारण अभिनय है। हर अभिनेता ने फिल्म में दमदार अभिनय किया है, इसमें यजुर और अर्शिन खास तौर पर सबसे अलग हैं। खूनी एक्शन सीक्वेंस, सिनेमैटोग्राफी, वीएफएक्स और लोकेशन चॉइस सहित सभी पहलुओं में प्रोडक्शन क्वालिटी में फिल्म बेहतरीन है। इसके अलावा, फिल्म में अर्शिन (सुहासिनी) की मुश?कि?लों को बेहद दृढ़ विश्वास के साथ दिखाया गया है। यह उन आदिवासी लोगों की परेशानियों को भी प्रभावी ढंग से उजागर करता है, जो पुलिस और विद्रोहियों के बीच एक कठिन परिस्थिति में फंस गए हैं, और दोनों तरफ से दबाव का सामना कर रहे हैं।फिल्म के निर्देशन की अगर हम बात करें, तो सनोज मिश्रा ने अपने शानदार लेखन और निर्देशन से बांग्लादेशी मुसलमानों के उन जख्मों को बयां किया है, जो क्रूर यातना और अकल्पनीय हिंसा से गुजरे हैं। उन्होंने इस बात का पूरा ध्यान रखा है कि वे इस पूरी कहानी को उसके मूल स?वरूप में ही पेश करें। फिल्म का संगीत उस तनाव को और बढ़ाता है, जिसे निर्माता इस तरह से बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि कहानी न केवल समझ में आए, बल्कि महसूस भी हो।हालांकि कहानी वास्तविक है, लेकिन फिल्म में ढलने और गैर–रेखीय कहानी को समझने में कुछ समय लगता है। इसके अलावा, कुछ दृश्यों में हिंसा दर्शकों के एक वर्ग को बहुत ज्यादा ग्राफिकल लग सकती हैकुल मिलाकर, द डायरी ऑफ वेस्ट बंगाल एक जबरदस्त क्राइम ड्रामा है। इसमें कुछ ऐसे पल हैं, जो आपको झकझोर कर रख देंगे। हालांकि यह विषय को बहुत ईमानदारी से उजागर करती है, लेकिन वास्तविकता हमें चौंका देती है।

बाक्स आफिस पर नानी की सारिपोधा सानिवारम ने मचाया धमाल, वर्ल्डवाइड 70 करोड़ के करीब पहुंची फिल्म

नानी की नवीनतम फिल्म, सारिपोधा सानिवारम ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है, इसने अपने प्रदर्शन के चार दिन पूरे कर लिए हैं और इसकी गति धीमी होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है। 29 अगस्त, 2024 को रिलीज हुई, एक्शन ड्रामा ने चौथे दिन 10 करोड़ रुपये की प्रभावशाली कमाई की है, जिससे कुल वैश्विक कमाई 68.52 करोड़ रुपये हो गई है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भारी बारिश के बावजूद, जिसने विजयवाड़ा और गुंटूर जैसे प्रमुख शहरों में दर्शकों की संख्या को प्रभावित किया, फिल्म ने अभी भी दुनिया भर में केवल चार दिनों में 40 करोड़ रुपये के करीब की कमाई करने में कामयाबी हासिल की है।अमेरिका में फिल्म का प्रदर्शन विशेष रूप से प्रभावशाली रहा है, जहां देश में नानी के मजबूत प्रशंसक आधार की बदौलत 2 मिलियन डॉलर के करीब कलेक्शन हुआ है। एक्शन एपिसोड दिखाने में निर्देशक विवेक अथरेया की विशेषज्ञता की प्रशंसा की गई है, जबकि जेक्स बेजॉय का बैकग्राउंड म्यूजिक फिल्म का मुख्य आकर्षण रहा है। इस सप्ताह कोई बड़ी रिलीज नहीं होने के कारण, सारिपोधा सानिवारम बड़ी कमाई करने के लिए तैयार है, हालांकि इसे सुरक्षित क्षेत्र में रहने के लिए 45 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करनी होगी।

दशहरा और हाय नन्ना के बाद, नानी सारिपोधा सानिवारम के साथ हैट्रिक बनाने की कगार पर है, जो अपने पहले सप्ताह में ही मुनाफे में प्रवेश करने की कगार पर है। फिल्म के निर्माताओं ने पहले ही नेटफ्लिक्स को ओटीटी अधिकार आकर्षक कीमत पर बेच दिए हैं, जिससे अच्छा मुनाफा सुनिश्चित हो गया है। यह फिल्म 4 अक्टूबर, 2024 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी, लेकिन फिलहाल इसका फोकस इसके थिएटर रन पर है। बारिश के बावजूद, फिल्म ने मल्टीप्लेक्स में 70 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी बनाए रखी है, जो दर्शकों के लिए इसकी मजबूत अपील को दर्शाता है।

जैसे–जैसे सप्ताह के दिन शुरू होते हैं, यह देखना बाकी है कि आने वाले दिनों में सारिपोधा सानिवारम कितना कलेक्शन करेगी। हालांकि, इसकी मजबूत शुरुआत और सकारात्मक वर्ड–ऑफ–माउथ के साथ, फिल्म के अपने सफल प्रदर्शन को जारी रखने और अपने निर्माताओं के लिए एक लाभदायक उद्यम के रूप में उभरने की संभावना है।

शो जीजी मां की टीम के साथ फिर से जुड़ीं अभिनेत्री भाविका शर्मा

तन्वी डोगरा के जन्मदिन के अवसर पर गुम है किसी के प्यार में की अभिनेत्री भाविका शर्मा जीजी मां टीम के साथ फिर से जुड़ गई हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 1.4 मिलियन फॉलोअर्स वाली भाविका ने स्टोरी सेक्शन में तन्वी के जन्मदिन के जश्न के वीडियो शेयर किए।

क्लिप में हम तन्वी को ऑफ–शोल्डर ब्लैक लेस गाउन पहने हुए देख सकते हैं, और उन्होंने हल्के मेकअप के साथ अपने लुक को पूरा किया है।

भाविका ने गोल्डन और ब्लैक स्ट्रिप वाली शर्ट ड्रेस पहनी हुई है।

वीडियो में तन्वी को बर्थडे केक काटते और अपने दोस्तों के साथ पोज देते हुए देखा जा सकता है, जिसमें अभिनेता दिशांक अरोड़ा और जीवांश चड्ढा शामिल हैं।

स्टार भारत पर प्रसारित जीजी मां में तन्वी, दिशांक, भाविका और शुभाशीष झा हैं।

मुंबई की रहने वाली भाविका ने 17 साल की उम्र में टेलीविजन शो में काम करना शुरू कर दिया था।

उन्होंने 2015 में परवरिश–सीजन 2 से रिया गुप्ता का किरदार निभाते हुए अपनी शुरुआत की थी। भाविका को जीजी मां में नियति और ये इश्क नहीं आसान में मौसमी के रूप में देखा गया था।

वह पिछली बार कॉमेडी एक्शन शो मैडम सर में दिखाई दी थीं, जो सोनी सब पर प्रसारित हुआ था।

जय प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह शो जय मेहता द्वारा निर्मित है। इस शो में गुलकी जोशी, युक्ति कपूर, प्रियांशु सिंह और सोनाली नाइक मुख्य भूमिका में हैं।

दूसरी ओर तन्वी ने 2016 में जी टीवी के मेरी सासू मां में बबीता शर्मा का किरदार निभाकर अपने करियर की शुरुआत की थी।

इसके बाद डोगरा एक भ्रम. .सर्वगुण संपन्न और संतोषी मां – सुनाएं व्रत कथाएं जैसे शो में दिखाई दीं।

वह वर्तमान में शो परिणीति में नजर आ रही हैं। बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले एकता कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित इस शो में आंचल साहू, तन्वी और अंकुर वर्मा मुख्य भूमिका में हैं।

यह कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है।

भाविका शर्मा ने अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत 2015 के टीवी शो परवरिश सीजन 2 से की थी। इस शो में उन्होंने रिया गुप्ता की भूमिका निभाई थी। वह 2017 से 2018 तक टीवी सीरियल जीजी मां में नियति की भूमिका में दिखाई दी थीं।

इसके बाद वह सोनी सब के टीवी सीरियल मैडम सर में कांस्टेबल संतोष शर्मा के किरदार में नजर आईं थीं। उनकी इस भूमिका ने उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी। वह 2023 से स्टार प्लस के टीवी शो गुम है किसी के प्यार में आईपीएस सावी चव्हाण की मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस भूमिका से उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी।

विस्फोट से सामने आई रितेश देशमुख और फरदीन खान की पहली झलक, रिलीज तारीख भी जारी

काफी समय से फिल्म विस्फोट चर्चा में है। कांटे जैसी कई सफल फिल्में बना चुके निर्देशक संजय गुप्ता ने इस फिल्म को टी–सीरीज के साथ मिलकर बनाया है। फिल्म इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि इसमें अभिनेता फरदीन खान और रितेश देशमुख साथ दिखने वाले हैं।खबरें थीं कि विस्फोट सीधे ओटीटी पर

रिलीज होगी, लेकिन यह कब और किस प्लेटफॉर्म पर आगएी, इसकी जानकारी नहीं मिली थी।अब खुद फिल्म के कलाकारों ने रिलीज का ऐलान कर दिया है।

बता दें कि यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिससे फरदीन और रितेश दोनों की पहली झलक सामने आ गई है। पोस्टर देख लग रहा है कि दोनों फिल्म में एक–दूसरे के आमने सामने होंगे।उनका धांसू लुक लोगों का ध्यान खींच रहा है।रितेश ने पोस्टर साझा कर लिखा, विस्फोट 6 सितंबर को जियो सिनेमा पर रिलीज हो रही है। उधर फरदीन लिखते हैं, 6 सितंबर को अपनी स्क्रीन पर सबसे बड़े विस्फोट के लिए तैयार हो जाइए। इस फिल्म में टीवी अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा भी अहम भूमिका में हैं, जिन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म चेहरे से बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी।बता दें कि फरदीन इस फिल्म से पर्दे पर अपनी वापसी करने वाले थे, लेकिन किसी न किसी वजह से रिलीज आगे टलती गई और संजय लीला भंसाली की हीरामंडीरू द डायमंड बाजार उनकी कमबैक सीरीज बनी।इसके बाद फरदीन को अक्षय कुमार की फिल्म खेल खेल में देखा गया था।

क्या कपूर खानदान की औरतों को शादी के बाद काम करने की नहीं है इजाजत ? करिश्मा कपूर ने बताई सच्चाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने हाल ही में कपूर महिलाओं के बारे में अफवाहों का खंडन किया और बताया कि कैसे उन्हें काम करने की अनुमति नहीं थी, खासकर शादी के बाद। बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने हाल ही में कपूर महिलाओं के बारे में अफवाहों का खंडन किया और बताया कि कैसे उन्हें काम करने की अनुमति नहीं थी, खासकर शादी के बाद। कॉमेडियन जाकिर खान के शो, आपका अपना जाकिर पर बोलते हुए करिश्मा ने कहा कि ऐसी खबरों में कोई सच्चाई नहीं है और कहा कि जो महिलाएं काम नहीं करतीं, वे स्वेच्छा से काम करती हैं।एक्ट्रेस ने कहा, "ये सब बातें हैं कि मुझे अनुमति थी या नहीं। जब मेरी मम्मी की शादी हुई और नीतू आंटी की शादी हुई, उनकी पसंद थी कि उनको घर बसाना था, बच्चे करने

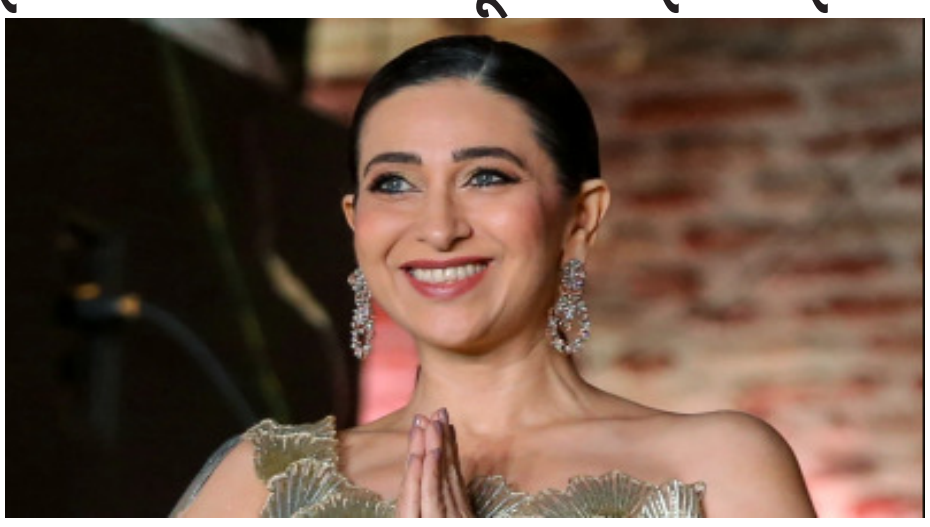

थे और करियर अच्छा था उनका। उनका विकल्प था।उन्होंने आगे कहा कि इसी तरह, शम्मी अंकल और शशि अंकल की पत्नियॉं, गीता बाली जी और जेनिफर आंटी, उन्होंने शादी के बाद काम किया। तो ऐसा कुछ बात नहीं है कि कपूर परिवार में शादी के बाद काम नहीं कर सकते या कपूर लड़की काम नहीं कर सकती (गीता बाली जी और जेनिफर आंटी ने शादी के बाद भी काम करना जारी रखा। इसलिए, यह सच नहीं है कि कपूर परिवार में, आप शादी के बाद काम नहीं कर सकते हैं या कपूर महिलाओं को काम करने की इजाजत नहीं है। ऐसा कोई नियम नहीं था)। करिश्मा ने निष्कर्ष निकाला, ष्इस तरह का प्रतिबंध ा। काम की बात करें तो करिश्मा को आखिरी बार नेटफ्लिक्स थ्रिलर मर्डर मुबारक में देखा गया था।

एकता कपूर की प्रतिक्रिया, कहा– महिलाओं की सुरक्षा सिर्फ इंडस्ट्री का मुद्दा नहीं

अपनी आगामी फिल्म द बकिंघम मर्डर्सश के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में एकता ने हेमा कमेटी की रिपोर्ट के निष्कर्षों का जिक्र करते हुए कहा कि यह मुद्दा सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री तक सीमित नहीं है, बल्कि सभी कार्यस्थलों पर महिलाओं तक फैला हुआ है। फिल्म निर्माता एकता कपूर ने कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा के प्रचलित मुद्दे पर अपनी राय साझा की। अपनी आगामी फिल्म श्द बकिंघम मर्डर्सश के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में एकता ने हेमा कमेटी की रिपोर्ट के निष्कर्षों का जिक्र करते हुए कहा कि यह मुद्दा सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री तक सीमित नहीं है, बल्कि सभी कार्यस्थलों पर महिलाओं तक फैला हुआ है। इस इवेंट में मौजूद निर्देशक हंसल मेहता ने कहा कि अब समय आ गया है कि पुरुष महिलाओं की सुरक्षा और समानता सुनिश्चित करने की

जिम्मेदारी लें। पिता के साथ अपने संबंधों को लेकर पूजा भट्ट ने किया बड़ा खुलासाऔर जानें द बकिंघम मर्डर्सश का निर्माण करने वाली एकता कपूर ने कहा, ष्महिलाएँ और उनकी सुरक्षा सिर्फ इंडस्ट्री का मुद्दा नहीं है। यह कार्यस्थल पर एक महिला के बारे में है और हम इसे बहुत गंभीरता से लेते हैं। और, जैसा कि मैंने कहा, अब बहुत सारी महिलाओं को नेतृत्व करना होगा ताकि बहुत सारी अन्य महिलाएँ भी इसमें शामिल हो सकें। अपनी खुद की फिल्म का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, ष्दो महिला निर्माताओं का एक साथ मिलकर फिल्म (द बकिंघम मर्डर्स) बनाना और एक अपराध की कहानी बताना, जिसे एक महिला अधिकारी सुलझाती है, यह भी एक तरह की सुरक्षा और एक तरह की शक्ति बनाने की दिशा में एक कदम है। एकता ने आगे कहा, ष्हमें एजेंसी को पुरुषों से महिलाओं में बदलना होगा और इसे समान बनाना होगा। बहुत सी जगहों पर, हमें महिलाओं को शीर्ष पर और कम से कम कंपनियों को चलाने की आवश्यकता है, और इसके लिए महिलाओं को पहल करनी होगी। जैसा कि मैंने कहा, एक रिपोर्ट आएगी और लोग इसके बारे में और अधिक पढ़ेंगे, लेकिन, किसी भी कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के लिए एक सचेत प्रयास। इसका एक बड़ा हिस्सा महिलाओं द्वारा पेशेवर नौकरियों का नेतृत्व करना होगा और मुझे लगता है कि ऐसा होना शुरू होना चाहिए। यह अभी भी एक बहुत ही तिरछा स्थान है। हंसल मेहता, जिन्होंने श्द बकिंघम मर्डर्सश का निर्देशन किया था, ने अपनी राय साझा करते हुए कहा, ष्इसकी जिम्मेदारी पुरुषों पर है

फिल्म द बकिंघम मर्डर्स से करीना कपूर ने दिखाई अपनी नई झलक

करीना कपूर पिछले काफी समय से फिल्म द बकिंघम मर्डर्स को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म से उनके कई पोस्टर सामने आ चुके हैं, जिसके बाद उनकी इस फिल्म की रिलीज को लेकर लोगों की उत्सकुता बढ़ गई है।हाल ही में फिर करीना ने फिल्म से अपनी झलक सोशल मीडिया पर प्रशंसकों को दिखाई। इसी के साथ अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उनकी इस फिल्म का ट्रेलर कब रिलीज हो रहा है।

करीना ने जो नया पोस्टर फिल्म से साझा किया है, इसमें उनका लुक एकदम अलग है। उनका गंभीर अवतार देखने को मिल रहा है। वह किसी को संदिग्ध नजरों से देख रही हैं।पोस्टर साझा कर करीना ने लिखा, ट्रेलर 3 सितंबर आएगा, मिलते हैं।हाल ही में निर्माताओं ने इस फिल्म का पहला गाना साडा प्यार टूट गया रिलीज किया था, जो एक जासूस के रूप में उनके किरदार के अलग–अलग रंग सामने लाता है।

इस फिल्म से करीना बतौर निर्माता अपनी शुरुआत कर रही हैं। फिल्म जसमीत भामरा की कहानी है, जो एक जासूस और मां है, जिसे अपने बच्चे को खोने के बाद बकिंघमशायर में एक 10 वर्षीय बच्चे की हत्या की जांच करनी है,

रहस्यों के जाल में उतरना है, जहां छोटे शहर का लगभग हर व्यक्ति संदिग्ध बन जाता है।फिल्म के निर्देशक हंसल मेहता तो निर्माता एकता कपूर हैं। बकिंघम मर्डर्स 13 सितंबर को सिनेमाघरों में आ रही है।

बौद्ध यात्रा वियतनाम सदस्यो की मीडिया टीम के भ्रमण को लेकर जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ कि बैठक

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

बौद्ध यात्रा वियतनाम से 15 सदस्यो की मीडिया टीम के जनपद में भ्रमण की तैयारी के संबध में जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में देर रात्रि कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की गई बैठक में जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर ने निर्देश दिया के सचिव भारतीय दूतावास, हानोई वियतनाम की 15 सदस्यो की टीम प्रदेश के बौद्ध धार्मिक स्थलों के भ्रमण एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन की सम्भावनाओं पर विचार विमर्श करने हेतु 03 सितम्बर 2024 से 07 सितम्बर 2024 तक प्रदेश में भ्रमण पर रहेगी। जिसमें जनपद सिद्धार्थनगर में इसका आगमन दिनांक 05.09.2024 को होगा बौद्ध यात्रा की टीम द्वारा पिपरहवा स्तूप, गनवरिया, सालारगढ़, कपिलवस्तु म्यूजियम, बुद्धा थीम पार्क को देखेंगे जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत कपिलवस्तु एवं खण्ड विकास अधिकारी बर्डपुर को बुद्धा थीम पार्क की साफ–सफाई, शौचालय की साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था हेतु जनरेटर की व्यवस्था, वाटर सप्लाई ठीक कराने का निर्देश दिया गया अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत कपिलवस्तु एवं खण्ड विकास अधिकारी बर्डपुर 05.09.2024 को मौके पर अपने कर्मचारियों के साथ उपस्थित रहेगे मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओ का निरीक्षण 04.09.2024 की सायं में किया जायेगा जिलाधिकारी ने जिला पर्यटन सूचना अधिकारी को निर्देश दिया कि स्थल पर साफ–सफाई व अन्य व्यवस्थाओं को देखे, अन्य व्यवस्थाओं से संबधित कोई आवश्यकता हो उसकी सूचना जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी को अवगत कराये।

इस अवसर पर पी.डी. नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीसीमनरेगा सन्दीप सिंह, जिला सूचना पर्यटन अधिकारी प्रिया सिंह, समस्त खण्ड विकास अधिकारी व अन्य संबधित अधिकारी गण उपस्थित थे।

ग्राम प्रधान की अगुआई में आंगनबाड़ी द्वारा बांटा गया पोषाहार।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

शासन की मंशा और गर्भवती महिलाओं और बच्चों की सुबिधा के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओ का लाभ ग्रामीण क्षेत्रो की गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चों के स्वास्थ्य के लिए पोषाहार का वितरण किया जाता है जिसको लेकर हर ग्राम सभा मे आंगनबाड़ी कर्मचारीयो के द्वारा इसका वितरण ग्रामसभाओं में किया जाता है जिससे बच्चे के जन्म होने से पहले और जन्म होने के बाद महिलाओ को ताकत प्रदान करने और बच्चे के विकास करने के लिए पोषक तत्वो को दिया जाए जिससे महिला और बच्चा स्वस्थ रहे ऐसी ही जनकल्याणकारी योजनाओ को आंगनबाड़ी की कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने में हमेशा आगे रहती है आज इसी कड़ी में ग्राम सभा सोहास शुमाली टोला सिसहनिया में ग्राम प्रधान की तसलिमुन्निशा की अगुआई में आंगनबाड़ी सुमन देवी द्वारा 26 गर्भवती महिलाओं को दाल ,तेल ,दालिया ,आटा, बेसन व बर्फी दलिया ,मूग दाल ,खिचडी प्रीमिक्स, 6 माह सें 3 वर्ष के बच्चों को दाल ,तेल, दलिया ,आटा – बेसन, हलवा प्रिमिक्स दिया गया 3 से 6 वर्ष के बच्चों को दाल, दलिया, आटा ,बेसन, बर्फी दलिया ,मूग दाल ,खिचडी प्रीमिक्स वितरण किया गय।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास सर्वेक्षण को लेकर जिलाधिकारी ने देर रात्रि की बैठक

सिद्धार्थनगर–प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास सर्वेक्षण के संबध में जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में देर रात्रि कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की गईबैठक में जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर ने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण सर्वेक्षण का कार्य ग्राम पंचायतों में खुली बैठक में पात्रता की श्रेणी में आने वाले लाभार्थियों का चयन किया जाये चयन में विशेष रूप से पारदर्शिता रखी जाये बिचौलियों से सावधानी बरते जिस ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण के चयन की बैठक होना है बैठक से पूर्व सार्वजनिक स्थलों (पंचायत भवन, आंगनबाडी केन्द्र एव प्राथमिक विद्यालय आदि) स्थानों पर उपरोक्त पात्रता एवं अपात्रता के मानक का वाल पेंटिंग करायी जाय। सम्पूर्ण समाधान दिवस, थाना दिवस, दिशा एवं अन्य आयोजित होने वाले कार्यक्रमों मे भी योजना का प्रचार प्रसार किया जाय सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया एवं समाचार पत्रों के माध्यम से भी प्रचार प्रसार किया जाय जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि जिन सचिवों के पास अधिक ग्राम पंचायते है उन ग्रामों में चयन की कार्यवाई करने हेतु कृषि विभाग, व विकास खण्ड स्तर व अन्य विभागों के कर्मचारियों को लगाकर उसका अनुमोदन जिलाधिकारी से प्राप्त कर ले यह कार्य 10.09.2024 तक पूर्ण कर लिया जाये प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री आवास रजिस्टर बनाकर उसमें पात्र अपात्र व्यक्तियों का नाम व अपात्र होने का कारण सहित दर्ज करने का निर्देश दिया आवास की अपात्रता की सूची कारण सहित पंचायत भवनो व सार्वजनिक स्थानों पर वाल पेन्टिंग कराया जाये तथा पात्र लाभार्थियों का नाम भी लिखा जाये किसी भी ग्राम पंचायत में पात्र व्यक्ति का नाम प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के चयन में छूटने न पाये शिकायत मिलने पर संबधित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

इस अवसर पर पी.डी. नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीसीमनरेगा सन्दीप सिंह, समस्त खण्ड विकास अधिकारी व अन्य संबधित अधिकारी गण उपस्थित थे।

पार्क एवं स्टेडियम को लेकर जिलाधिकारी ने देर रात्रि अधिकारियों के साथ कि बैठक

सिद्धार्थनगर–प्रत्येक विकास खण्डों में पार्क एवं स्टेडियम के भूमि के चयनधनिर्माण के संबध में जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार तथा समस्त खण्ड विकास अधिकारियों के साथ देर रात्रि कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई बैठक में जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर ने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लोग ग्राम पंचायतों में स्टेडियमध्पार्क निर्माण कराया जाना प्रथम प्राथमिकता है इसके निर्माण कार्य में अनावश्यक कोई बाधा नही आना चाहिए जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर ने निर्देश देते हुए बताया कि जो भूमि चिन्हित की जाए वहां पर जल भराव की स्थिति न हो प्रत्येक विकास में 01 अर्थात कुल 14 स्थानो पर मिनी स्टेडियम एवं पार्क का निर्माण कराया जाना है जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर ने स्पष्ट निर्देश देते हुए बताया कि अगले सप्ताह शुक्रवार को सभी विकास खण्डों में मिनी स्टेडियमध्पार्क के निर्माण कार्य का भूमि पूजन होगा जनपद में एक स्थान पर सांसद को आमंत्रित कर भूमि पूजन कराया जाये इसके अलावा अन्य स्थानो पर स्थानीय विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर भूमि पूजन कराये सभी खण्ड विकास अधिकारी अपने–अपने विकास खण्डों का रिकार्ड पूर्ण करा ले मास्टर रजिस्टर, वर्क रजिस्टर तथा अन्य पत्रावलियों को पूर्ण करा ले मेरे द्वारा विकास खण्डों के निरीक्षण पर रजिस्टर एवं पत्रावली पूर्ण न पाये जाने पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी ग्राम पंचायतों के भुगतान को खण्ड विकास अधिकारी को पूरी जानकारी होना चाहिए खण्ड विकास अधिकारीध्एडीओ पंचायत मिलकर कार्य करेगे जिस मिनी स्टेडियम की 400 मीटर अथवा उससे अधिक बाउन्ड्रीवाल का निर्माण कराया जाना है उसका निर्माण जिला पंचायत द्वारा कराया जायेगा। इस अवसर पर पी.डी. नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीसीमनरेगा सन्दीप सिंह, समस्त खण्ड विकास अधिकारी व अन्य संबधित अधिकारी गण उपस्थित थे।

अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर द्वारा साप्ताहिक मंगलवार परेड की ली गई सलामी एवं किया गया निरीक्षण

शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए लगवाई गयी दौड़।

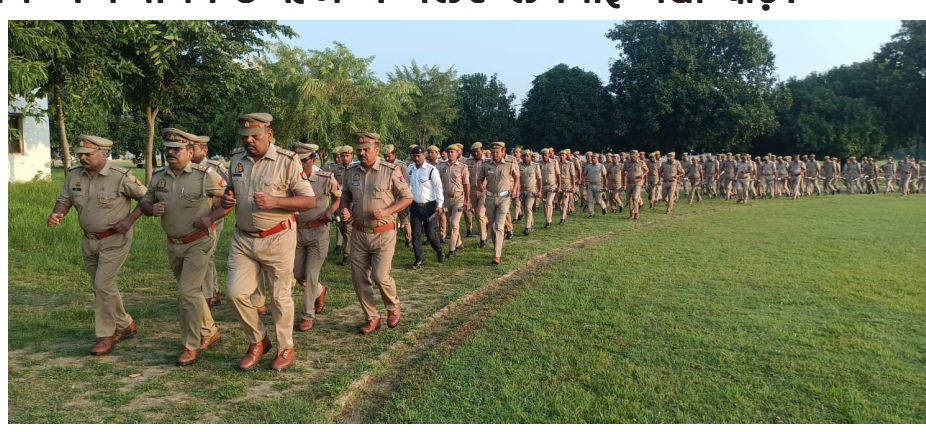

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर द्वारा पुलिस लाइन में साप्ताहिक मंगलवार परेड की सलामी ली गयी तथा परेड का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के पश्चात पुलिस कर्मियों को शारीरिक रुप से फिट रहने हेतु दौड़ लगवायी गयी व परेड के दौरान अनुशासन व एकरुपता बनाये रखने के लिए टोलीवार ड्रिल करायी गयी । महोदय द्वारा क्वार्टर गार्द, परिवहन शाखा, आदि शाखाओं का निरीक्षण किया गया पुलिस लाइन की बेहतर साफ–सफाई हेतु प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया गया तत्पश्चात महोदय द्वारा पुलिस लाइन के आदेश कक्ष मे सभी गार्द रजिस्टरों को चेक करते हुए गार्द की सुरक्षा के संबंध मे सभी गार्द कमांडरों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये ।

शादी अनुदान योजनान्तर्गत अनुदान हेतु शादी से 90 दिन पूर्व एवं 90 दिन बाद उसी वित्तीय वर्ष के भीतर करें आनलाईन आवेदन

ब्यूरो देवरिया

देवरिया। जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल के निर्देश पर जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अविनाश मणि त्रिपाठी ने बताया है कि पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित शादी अनुदान योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु अन्य पिछड़े वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के गरीब व्यक्तियों के पुत्रियों की शादी अनुदान से सम्बन्धित धनराशि रू0 20 हजार कोषागार ई–पेमेंट प्रणाली के तहत पी०एफ०एम०एस० के माध्यम से सीधे आवेदकों के खाते में भेजने की व्यवस्था की गयी है। यह योजना पूर्णतः ऑनलाईन एवं कम्प्यूटरीकृत है।

इच्छुक आवेदको के द्वारा आनलॉइन आवेदन किये जाने हेतु आवेदकों के नाम से आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र आधार कार्ड की छायाप्रति, पासबुक की छायाप्रति एवं शादी कार्ड तथा वर व वधु की उम्र से सम्बन्धित प्रमाण पत्र या आधार कार्ड की छायाप्रति एवं आवेदक व पुत्री का फोटो संलग्न कर शादी अनुदान की साईट ीजजचरूध्ध्ेंकपंदनकंद.नचेकब.हवअ.पद पर शादी से 90 दिन पूर्व एवं 90 दिन बाद उसी वित्तीय वर्ष के भीतर आनलॉईन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन द्वारा आनलाइन आवेदन किये जाने हेतु पात्रता की शर्तों के विवरण में बताया है कि आवेदक की आय शहरी क्षेत्र तथा ग्रामीण क्षेत्र में रू एक लाख प्रतिवर्ष से अधिक नहीं होगी। विवाह की तिथि को पुत्री की आयु 18 या उससे अधिक होना अनिवार्य है। एक परिवार से अधिकतम 02 पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान अनुमन्य होगा। ऑनलाईन आवेदन के पश्चात सम्बन्धित ब्लाक या तहसील द्वारा सत्यापन की कार्यवाही पूर्ण कर पात्र या अपात्र की रिपोर्ट अंकित करते हुए आवेदन पत्र अग्रसारित किया जाता है। वर्तमान वित्तीय वर्ष हेतु आवंटित धनराशि से अब तक 760 लोग लाभान्वित हो चुके हैं। उक्त योजनान्तर्गत आम जनमानस को उन्होंने अवगत कराया है कि वे इस योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त किये जाने हेतु इच्छुक आवेदक विभागीय वेवसाइट ीजजचरूध्ध्ेंकपंदनकंद.नचेकब.हवअ.पद पर आनलॉइन आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

डीएम की अध्यक्षता में बाल कल्याण समिति की त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित

ब्यूरो देवरिया

देवरिया कलेक्ट्रेट स्थित कार्यकक्ष में जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में बाल कल्याण समिति की त्रैमासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में अनिल कुमार सोनकर जिला परिवीक्षा अधिकारी, जय प्रकाश तिवारी संरक्षण अधिकारी जिला बाल संरक्षण इकाई, सावित्री राय, अध्यक्ष, डा0 विरेन्द्र मणि त्रिपाठी, सदस्य, मंत्री सिंह सदस्य, सुबास पाण्डेय सदस्य एवं विवेकानन्द सदस्य बाल कल्याण समिति देवरिया उपस्थित रहे। जिला परिवीक्षा अधिकारी के द्वारा एजेण्डावार समीक्षा कराते हुये यह बताया गया कि बाल कल्याण समिति का कार्यालय राजकीय बाल गृह (बालक) देवरिया मे संचालित है। इसमें 01 अध्यक्ष एवं 04 सदस्य है। बाल कल्याण समिति का कार्यकाल जुलाई, 2024 मे 03 वर्ष पूर्ण होने के उपरान्त निदेशालय के द्वारा नवीन बाल कल्याण समिति के चयन होने तक इनकी सेवाए विस्तार कर दी गयी है। बाल कल्याण समिति के द्वारा किशोर न्याय (बालको के देख–रेख एवं संरक्षण) अधिनियम–2015 एवं नियम 16 के निहित प्रावधानो के अन्तर्गत देख–रेख एवं संरक्षण वाले बालकध्बालिकाओं के सर्वोत्तम हित हेतु कार्य किये जाने का प्राविधान है। बैठक में माह अप्रैल, 2024 से अगस्त, 2024 तक के बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किये गये बच्चों की संख्या में बताया गया कि कुल 262 बच्चे बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत हुये एवं 256 बच्चो के प्रकरण को निस्तारित कर उनके परिवार में पुर्नवासित कराया गया। अवशेष 06 बच्चो मे से 03 बालिका राजकीय बाल गृह (बालिका) बलिया, 02 बालक राजकीय बाल गृह (बालक) देवरिया एवं 01 शिशु एशियन सहयोगी संस्थान गोरखपुर मे आवासित कराया गया है। लम्बित प्रकरण हेतु जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि लम्बित प्रकरणों को परीक्षण कर पूर्ण विवरण के साथ पुनः पत्रावली प्रस्तुत करें। समीक्षा बैठक के उपरान्त जिलाधिकारी द्वारा राजकीय बाल गृह (बालक) मे संचालित बाल कल्याण समिति के कार्यालय का भी निरीक्षण किया गया तथा बाल कल्याण समिति को जे0जे0 एक्ट के प्राविधानो के अन्तर्गत बच्चो के हित में कार्य करने के निर्देश दिये गये।

साउथ एशिया चैंपियनशिप में भारत का दबदबा

ब्यूरो

नेपाल के काठमांडू में स्थित दशरथ रंगशाला नेशनल स्टेडियम में साऊथ एशियन कांम्बैट चौंपियनशिप 2024 का आयोजन 30 अगस्त से 1 सितम्बर तक हुआ। इस तीन दिवसीय इवेंट में भारतीय पहलवानो ने कुल 125पदक जीते पहली बार नेपाल के काठमांडू मे आयोजित साउथ एशियन कांम्बैट चौंपियनशिप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। साउथ एशियन कॉम्बैट चौंपियनशिप का आयोजन 30 अगस्त से 1 सितंबर तक काठमांडू नेपाल में नेपाल कॉम्बैट फेडरेशन एवं साउथ एशियन कॉम्बैट फेडरेशन के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ जिसमें 8 एशिया देश शामिल हुई। साउथ एशिया के भूटान बांग्लादेश पाकिस्तान श्रीलंका इत्यादि देशों के टीमों ने प्रतिभा किया जिसमें भारत के खिलाड़ियों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चौंपियनशिप ट्रॉफी भी अपने नाम किया। भारत को 1 सितंबर को पहला गोल्ड 24साल के धर्मेंद्र चाहर ने 72ाह कैटेगरी में दिलाया. भारत के आगरा से आने वाले धर्मेंद्र ने अफगानिस्तान के तौफीक को हराकर भारत को पहला गोल्ड दिलाया,वही सीनियर वर्ग मे कर्मजीत ने नेपाल के वासुदेव थापा को हराकर भारत के लिए सिल्वर प्राप्त किया,96 के जी में प्रतिक पांडेय ने गोल्ड मेडल ,92 के जी में भारतीय थल सेना के अमित मिश्रा ने कांस्य पदक ,88 के जी में भारतीय थल सेना के विवेक राय ने रजत पदक,एवं वेद प्रकाश यादव ने कास्य पदक प्राप्त किया बालिका जूनियर वर्ग मे भारत के लिए नित्या राय ने भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल दिलाया, वही चंद्र प्रकाश मणि त्रिपाठी ने ब्रॉन्ज जीत कर भारत की झोली में एक और उपलब्धि जोड़ दी , भारत ने 60 स्वर्ण, 40रजत और 25कांस्य प्राप्त कर अंक तालिका मे प्रथम स्थान पर रहा, भारतीय टीम अपने कोच मार्कंडेय तिवारी के कोचिंग मे 60 स्वर्ण सहित 125पदकों के साथ भारतीय टीम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ लौटी ।

प्राधिकरण विधिक सेवा हेतु सदैव तत्पर- अपर जिला जज सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण

ब्यूरो देवरिया

देवरिया। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार व जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया देवेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में सचिवध्अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी द्वारा जिला कारागार देवरिया का औचक निरीक्षण किया गया। सचिवध अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी द्वारा जिला कारागार देवरिया में निरूद्ध बन्दी दीपक तिवारी, किशन गोड़, निकोलस, राजू रावत, प्रकाश, भीम चौहान, शिवा गोड़, अखिलेश शर्मा, को उसके विधिक अधिकार व उच्च न्यायालय द्वारा बंदियों के सम्बन्ध में दिये गये निर्देशों से अवगत करा कर उस पर विधि अनुसार कार्यवाही करने हेतु सम्बन्धित को निर्देश दिया गया। सचिव द्वारा ऐसे विचाराधीन बंदियों जिनके विरूद्ध अधिकत्तम 07 वर्ष के दण्डादेश संबंधित अपराधिक विचारण लम्बित हैं और वे कारागार में निरूद्ध हैं, से संबंधित मामलों पर भी विचार–विमर्श किया गया तथा जिला कारागार में निरूद्ध बंदियों की समस्याओं को सुना गया जिसमें निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने, जमानतदार उपलब्ध कराने, नियमित रूप से बंदियों के लिए दवा उपलब्ध कराने महिला कैदियों के साथ रह रहें उनके छोटे बच्चों के लिए दूध की व्यवस्था कराने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होने जेल में निरूद्ध बंदियों की समस्याओं की सुनवाई सुनिश्चित करते हुये कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समस्त बंदियों के विधिक सहायताध्विधिक साक्षरता प्रदान करने हेतु सदैव तत्पर हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।